हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 7 अप्रैल 2024

11 श्री अमर ज्योति मंदिर का वार्षिक समारोह 8 अप्रैल से

12 इनेलो नेताओं ने चौ.देवीलाल को किया नमन

खबर संक्षेप

रोड अवरुद्ध करने के तीन आरोपितों पर केस

सिरसा। यातायात के नियमों का पालन न करने वालों पर विशेष अभियान के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए थाना कालांवाली पुलिस ने तीन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थाना कालांवाली प्रभारी चांद सिंह ने बताया कि यातायात चालकों द्वारा यातायात के नियमों का पालन न करने पर बीच सड़क पर अपना वाहन खड़ा करने पर आम नागरिकों को कठिनाई का सामना करने पर तीन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

फतेहाबाद में ब्लाक स्तरीय नामचर्चा आज

फतेहाबाद। डेरा सच्चा सौदा सिरसा द्वारा फतेहाबाद में ब्लॉक की नाम चर्चा का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी देते हुए बताया कि आजाद नगर के सेवक मुकेश इंन्सा व 5 मेंबर रजबिंदर इंन्सा ने बताया कि ब्लॉक की नाम चर्चा का आयोजन भाटिया कॉलोनी स्थित कृष्ण धर्मशाला में 7 अप्रैल रविवार को शाम 4 बजे से 6 बजे तक होगा।

टोहाना से गूंगा-बहरा युवक लापता, केस दर्ज

फतेहाबाद। टोहाना से एक गूंगे-बहरे युवक के लापता होने का समाचार है। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में दमकौरा रोड टोहाना निवासी राजकुमार ने कहा है कि उसकी 15 वर्षीय लड़का 4 अप्रैल की दोपहर को बिना बताए कहीं चला गया है और वापस घर नहीं लौटा है। इस पर उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

सीडीएलयू में चौ. देवीलाल की पुण्यतिथि पर हवन

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में शनिवार को भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि पर विश्वविद्यालय परिसर में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। हवन यज्ञ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजमेर सिंह मलिक तथा कुलसचिव डॉ. राजेश कुमार बंसल सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, गैर शिक्षक कर्मियों और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इससे पूर्व जननायक चौधरी देवीलाल की आदम कद प्रतिमा पर कुलपति सहित सभी उपस्थितजनों द्वारा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

10 अप्रैल तक मण्डियों में गेहूं की आवक में आएगी तेजी

तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही गेहूं कटाई शुरू, कम्बाईंनों की डिमांड बढ़ी

चार एजेंसियां करेंगी फसल की खरीद, सरसों की आवक भी हुई तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मार्च मास में पश्चिमी विक्षोभ के चलते बारिश व हवाएं चलने के बाद अब मौसम साफ हो गया है। पिछले तीन दिनों से अचानक तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिस कारण खेतों में पककर तैयार खड़ी गेहूं की फसल की कटाई शुरू हो गई। गेहूं कटाई का काम शुरू होते ही कम्बाइनों क डिमांड भी बढ़ गई है। सरसों की आवक भी मण्डियों में तेज हो गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। शनिवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मार्च मास में 5 से 6 बार पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हुआ तो बरसात व बादलवाई चलती रही, जिस कारण मार्च मास का महीना सामान्य से ठंडा रहा। यही वजह है कि पछेती गेहूं को कलाइमेट अनूकुल मिलने से वह पककर तैयार हो गई। अब अगेती व पछेती गेहूं की कटाई एक साथ होगी। अगेती गेहूं की फसल की कटाई का काम शनिवार से जिले में शुरू हो गया। गांव माजरा के किसान पहलवान जगदीश नायक, सुरेन्द्र नायक के खेतों में कम्बाईन से गेहूं कटाई का काम शुरू हो गया। बता दें कि बारिश से अगेती गेहूं की फसल कुछ क्षेत्रों में बिछ गई थी। जहां पर ओलावृष्टि नहीं हुई, उन गांवों में अब गेहूं की फसल अच्छी पकी हुई है और इन क्षेत्रों में उत्पादन भी बढ़ने के आसार है।

फतेहाबाद। खेतों में गेहूं की कटाई करती कम्बाइन मशीन। फोटो : हरिभूमि

हैफेड ने अब तक 5 हजार क्विंटल सरसों खरीदी

फतेहाबाद, भट्टू व भूना की अनाज मण्डियों में इस समय सरसों की आवक तेज हो गई है। हैफेड ने अब तक करीब 5 हजार क्विंटल सरसों की खरीद की है। हैफेड सरसों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद रहा है जबकि निजी खरीददार सरसों में नमी बताकर 500 रुपये कम दाम दे रहे हैं। हैफेड नैफेड के लिए सरसों की खरीद कर रहा है। वैसे तो सरसों की सरकारी खरीद 27 मार्च से शुरू हो गई थी। खेतों में गेहूं की फसल पककर कटने को तैयार है तो विद्युत निगम ने आज से 30 अप्रैल तक खेतों से गुजर रही ग्रामीण फीडरों की बिजली सप्लाई बंद कर दी है।

गेहूं की सरकारी खरीद एक अप्रैल से शुरू हो चुकी

सरकार की तरफ से गेहूं की सरकारी खरीद एक अप्रैल से शुरू हो चुकी है। अभी गेहूं मण्डियों में नहीं आई। उम्मीद है कि 5-6 दिन में गेहूं मण्डियों में आनी शुरू होगी। गेहूं खरीद को लेकर मण्डियों में पूरे प्रबंध कर लिए गए हैं। गेहूं को हैफेड, डीएफएससी, हरियाणा वेयर हाउस व हरियाणा एग्रो द्वारा खरीद की जाएगी। इन एजेंसियों को दिन अलाट कर दिए गए हैं। जिस एजेंसी की शनिवार को खरीद की जिम्मेवारी होगी, रविवार को भी वही एजेंसी गेहूं की खरीद करेगी।

-विनीत जैन, डीएफएससी, फतेहाबाद

उपायुक्त ने विभिन्न स्कूलों का किया निरीक्षण

सिरसा। उपायुक्त आर के सिंह ने शनिवार को स्थानीय भाई कन्हैया आश्रम, हेलन केलर दृष्टि बाधित स्कूल व प्रयास दिशा श्रवण वाणी दिव्यांग स्कूल में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने साफ सफाई, कंप्यूटर कक्ष, लाइब्रेरी, ब्रेल तकनीक के प्रयोग व अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर उनके साथ एसडीएम राजेंद्र कुमार, भाई कन्हैया आश्रम के मुख्य सेवक गुरविंद्र सिंह भी मौजूद थे। उपायुक्त आरके सिंह ने कहा कि भाई कन्हैया आश्रम समाज सेवा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहा है। उन्होंने आश्रम में रह रहे बुजुगार्ें, दिव्यांगों को दी जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली और जरूरी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आश्रम में रह रहे बेसहारा बुजुगार्ें व बच्चों से बातचीत भी की। इस दौरान उपायुक्त आरके सिंह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति द्वारा निःशक्त एवं असहाय बच्चों की भलाई के लिए किए गए छोटे से प्रयास से ही उनके जीवन को बदला जा सकता है। इसलिए जितना संभव हो सके, हमें अपने आसपास रहने वाले असहाय व गरीब व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए।

राजेंद्रा स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने जिले में किया टॉप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राजेंद्रा स्कूल ऑफ नर्सिंग के संचालक एनके गुप्ता ने कहा कि कठिन परिश्रम व लक्ष्य के प्रति गंभीरता किसी भी व्यक्ति के लिए सफलता का आधार बन सकती है और उनकी संस्था की तीन छात्राओं ने जीएनएम प्रथम वर्ष में जिले में प्रथम तीन स्थानों पर कब्जा करके यह सिद्ध कर दिया। संस्था संचालक एनके गुप्ता ने कहा कि पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज रोहतक की ओर से जीएनएम प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम में उनकी संस्था की छात्रा सीमा ने 500 अंकों में से 415 अंक हासिल कर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। ठीक इसी प्रकार छात्रा सिमरनजीत कौर ने 500 अंकों में से 410 अंक प्राप्त कर दूसरा व छात्रा तान्या ने 500 में से 408 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों के बहुपयोगी मार्गदर्शन व विद्यार्थियों के परिश्रम ने यह उपलब्धि हासिल कर संस्थान को गौरवान्वित किया है।

सीएम ने किसानों को उपद्रवी कहा तो किसानों ने सीएम के खिलाफ पुलिस में दी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

शुक्रवार को रतिया आए सीएम नायब सिंह सैनी ने किसानों के बारे में उपद्रवी शब्द प्रयोग किया तो अगले दिन किसान भड़क गए। किसानों ने इसे धरतीपुत्रों का अपमान बताया। पगड़ी संभाल जटटा किसान संघर्ष समिति, हरियाणा द्वारा शनिवार शाम को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के खिलाफ किसानों को उपद्रवी कहने पर कार्यवाही करने की मांग करते हुए शहर थाना में शिकायत दी गई। शहर थाना में शिकायत देने आए पगड़ी संभाल जटटा किसान संघर्ष समिति, हरियाणा के संयोजक मनदीप सिंह नथवान ने आरोप लगाते हुए बताया कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शहर की अनाज मंडी में एक जनसभा का संबोधित करने आए थे। जनसभा का संबोधित करने के बाद मंच से नीचे उतरकर पत्रकारों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने किसानों को

उपद्रवी बताते हुए देश के अन्नदाता का अपमान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा किसानों के प्रति ऐसे शब्दों का प्रयोग करने पर किसानों में रोष है क्योंकि इससे देश व प्रदेश के किसानों की भावनाएं आहत हुई है। किसान नेता मनदीप ने कहा कि कानून सबके लिए बराबर है इसलिए शहर थाना प्रभारी को मुख्यमंत्री के खिलाफ उनके किसानों के प्रति इस तरह के शब्द इस्तेमाल करने पर उचित कार्यवाही करने की शिकायत दी है। किसान नेता ने कहा कि अगर शिकायत के आधार पर कार्रवाई न की गई तो किसान आंदोलन को मजबूर होंगे।

डिंग डाइट में चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

डिंग। राजकीय महाविद्यालय डिंग मंडी स्थित प्राचार्या डॉ. मधु कुमारी की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव को देखते हुए स्वीप प्रोग्राम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। मास्टर ट्रेनर नरेश ग्रोवर व उनकी टीम ने महाविद्यालय में विद्यार्थियों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों का अभी तक वोट नहीं बना है वह अपना वोट 25 अप्रैल तक फॉर्म नंबर 6 भरकर अपना नया वोट बनवा सकते हैं। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा की हमें सभी अपने मत के महत्व को समझें और मतदान वाले दिन ज्यादा से ज्यादा मतदान करें ताकि एक अच्छी सरकार का निर्माण किया जा सके।

चौधरी देवीलाल हमेशा किसानों के लिए रहे आगे

- जेजेपी नेताओं ने जननायक चौ. देवीलाल को पुण्यतिथि पर किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पूर्व उपप्रधानमंत्री स्व. चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि पर जननायक जनता पार्टी के नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजली दी। जेजेपी नेताओं ने कहा कि ऐसे युगपुरुष को पूरा देश सदियों तक याद रखेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र लेगा व फतेहाबाद जिलाध्यक्ष रविंद्र बेनीवाल ने कहा कि चौधरी देवीलाल एक क्षेत्र, प्रांत, जाति, वर्ग या समाज के प्रणेता ही नहीं थे। वे सच्चे अथार्ें में पूरे समाज के मार्ग दर्शक रहे। आज भी उन्हें पूरा देश याद करता है। वे एक मात्र ऐसे जन नेता रहे हैं जिन्होंने देश के कानून में बदलाव करते हुए किसान हित में अनेक सख्त कानून बनाए थे। जब भी उन्होंने सत्ता में आकर कोई काम किया तो उसमें किसानों के हित सवार्ेपरि माने। वृद्धावस्था पेंशन, बेरोजगारी भत्ता, ट्रेक्टर को करमुक्त करवाना, हर खेत को पानी व हर घर को किसी न किसी तरह की मदद उनके यादगार कायार्ें की सूचि में शामिल है। जेजेपी नेताओं ने कहा कि बुढापा पेंशन, गरीब किसानों और मजदूरों की कर्जा माफी का वायदा 48 घंटे में पूरा करके स्व. देवीलाल ने साबित किया कि जनहित के कायार्ें के लिए समय नहीं, उन जैसी दृढ़ इच्छा शक्ति होनी चाहिए। 'लोकराज लोकलाज' से चलाने वाले जननायक चौ. देवीलाल के लिए सत्ता जनसेवा का जरिया थी।

फतेहाबाद। जननायक चौ. देवीलाल की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते जेजेपी नेता। फोटो : हरिभूमि

हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से छात्रों को किया जागरूक

रतिया। खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय में युवा मतदाताओं में जागरूकता लाने हेतु शपथ दिलाई व हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रेम मेहता ने की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिससे हम सभी नागरिकों के लिए देश की सरकार के चुनाव का निर्णय किया जाता है। मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे डॉ. अजित कुमार ने कहा कि मतदान हमारे लोकतंत्र का मूल आधार है। यह हमारे हाथों में एक शक्ति है जिसके जरिए हम समाज के विकास में सहयोग कर सकते हैं। अगर हम अपने मताधिकार का सही से उपयोग नहीं करेंगे, तो हम न केवल अपने लिए बल्कि अपने देश के भविष्य के लिए भी हानि करेंगे। मतदान के द्वारा हम अपने देश की दिशा व दशा तय करते हैं। यह हमारी आवाज का माध्यम है, जिसके जरिए हम उन नेताओं को चुन सकते हैं जिनके विचार हमें सही लगते हैं, जो हमारे समाज के विकास और सुधार में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए तैयार हैं। इस कार्यक्रम के प्रभारी कृष्ण लाल ने सभी विद्यार्थी का धन्यवाद करते हुए कहा कि आप सभी इस आम चुनाव के मतदान में जरूर शामिल हों।

छात्रों को दी चुनावों की महत्ता की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त आरके सिंह के आदेशानुसार तथा अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के मार्गदर्शन में जिले में व्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं चुनावी भागीदारी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को मतदाता जागरुकता अभियान के तहत स्थानीय जीडी गोयंका विद्यालय में स्टॉफ सदस्यों व विद्यार्थियों को जागरुक किया गया। स्वीप मास्टर ट्रेंनिंग नरेश कुमार ग्रोवर ने विद्यार्थियों को लोकतंत्र के महत्व, नागरिकों के मौलिक अधिकार, वोटर कार्ड बनाने की प्रक्रिया एवं वोटर कार्ड संबंधी एप के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे घरों में जाकर अपने अभिभावकों व पड़ोसियों को आगामी 25 मई को घरों से निकालकर मतदान केंद्रों पर जाकर वोट डालने के लिए प्रेरित करें। मतदान का दिन पर्व की तरह मनाएं और पूरे उत्साह के साथ इसमें भाग लें। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष मुरलीधर बंसल, वाइस चेयरमैन अजय शर्मा, सचिन कमल बंसल, प्राचार्य दीपमाला, प्रबंधक रजत मेहता आदि समस्त स्टाफ सदस्यों ने इस अवसर पर यह आश्वासन दिया कि वह 25 में के दिन सभी को वोट डालने के लिए प्रेरित करेंगे।

सिरसा। विद्यार्थियों को दी चुनावों की महता की जानकारी देते हुए शिक्षक नरेश ग्रोवर। फोटो : हरिभूमि

डीसी कॉलोनी में हो रही सीवरेजयुक्त पानी की सप्लाई

- नारकीय जीवन जीने को विवश हैं वार्डवासी

सिरसा। डीसी कॉलोनी में सीवरेजयुक्त पानी की सप्लाई होने से कॉलोनीवासियों को नारकीय जीवन जीने को विवश हैं। कॉलोनीवासियों ने जिला प्रशासन के आलाधिकारियों से आग्रह किया है कि संबंधित विभाग के संज्ञान में समस्या लाए जाने के बावजूद स्थिति जस की तस है और इस गंदे पानी के प्रयोग से लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने की आशंका पैदा हो गई है। कॉलोनी की गली नंबर 3 व 5 में इस समस्या के कारण आमजन को खासी दिक्कतों से दोचार होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कॉलोनी में पिछले दो दिन तक तो पेयजल की सप्लाई ही नहीं आई और जब आई तो उसमें सीवरेजयुक्त पानी की सप्लाई आई। वार्डवासियों के मुताबिक गली में पेयजल की सप्लाई न होने व बाद में सीवरेजयुक्त पानी की सप्लाई संबंधी शिकायत संबद्ध विभागीय अधिकारियों से की गई थी मगर विभाग की ओर से इस दिशा में केवल औपचारिकता ही निभाई गई। वार्डवासियों के मुताबिक लोगों को दुर्गंधयुक्त वातावरण में जीने को विवश हैं।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर दर्ज करवाया केस, जांच में जुटी पुलिस

लकड़ी व्यापारी की प्रोपर्टी को लेकर परिवार में विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर के प्रमुख लकड़ी व्यापारी रहे सुरेन्द्र मेहता के निधन के बाद उनकी प्रोपर्टी के लेकर उनके परिवार में चल रहा विवाद बढ़ता जा रहा है। इस विवाद में शुक्रवार को बीघड़ रोड पर गोलियां चलने से हडकंप मच गया। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में सुरेन्द्र मेहता की पत्नी प्रवीन कुमारी ने कहा कि उनका सूर्या इन्कलेव में मेहता टिम्बर स्टोर के नाम से गोदाम है। उसके लड़के ललित का अपनी पत्नी निशा के साथ विवाद चल रहा है और मामला अदालत में विचाराधीन है। उसके लड़के ललित मोहन ने कुछ दिन पहले गोदाम से लकड़ी चोरी होने बारे केस दर्ज किया था। प्रवीन कुमारी ने कहा कि शुक्रवार को वह अपने दोनों लड़कों ललित व युधिष्ठर, भाई सुभाष, जानकार नरेश व ललित निवासी हिसार, संदीप बिठमड़ा, राजेन्द्र न्योली खुर्द व 5-6 लड़कों के साथ बीघड़ रोड पर बने अपने गोदाम को चैक करने के लिए आए थे। जैसे ही उसके लड़के ललित ने गेट खोला तो सामने उसकी पत्नी निशा, उसका पिता रूलीचंद, रामनिवास जाखड़ मानावाली, राजीव गुर्जर काठमंडी, बबलू भूरा निवासी गोरखपुर हाल हुडा सैक्टर 3 फतेहाबाद, राजेश मालड़ा हिसार, रमेश सिरढ़ान व 5-6 अन्य लड़के खड़े थे। निशा ने उन्हें देखते ही रामनिवास को गोली मारने को कहा। इसके बाद रामनिवास जाखड़ व राजेश ने उन्हें जान से मारने की नीयत से सीधे फायर कर दिए। गोलियां साथ खड़े नरेश, ललित, संदीप व राजेन्द्र को लगी। इसके बाद निशा व उसके साथ खड़े लड़कों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस पर उसने इस बारे पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। इस मामले में पुलिस ने निशा मेहता, रूलीचंद गांधी, रामनिवास जाखड़, राजीव गुज्जर, बबलू भूना, राजेश, रमेश, जयबीर सरपंच व अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरे पक्ष ने भी दर्ज करवाया केस

फतेहाबाद। दूसरे पक्ष से निशा ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उसके ससुर सुरेन्द्र मोहन की वसीयत के अनुसार अपने बेटे के साथ सूर्या इन्कलेव स्थित अपने पुश्तैनी घर में रहती है। कुछ महीने पहले उसके पति, सास व देवर ने उसे व उसके लड़के को घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद वह अपने बेटे व माता-पिता के साथ बीघड़ रोड स्थित मेहता टिम्बर स्टोर पर रहने लगी। इसके बाद से उसका पति गुण्डे भेजकर उसे धमकियां देकर बाहर निकालने की कोशिश में है। अपनी सुरक्षा के लिए उसने धीरज सदलपुर, रामनिवास जाखड़ मानावाली व दो अन्य लोगों को रखा हुआ है। शुक्रवार दोपहर को जब वह अपने पिता व सुरक्षा कर्मी आरे में मौजूद थे तो उसका पति ललित, देवर युधिष्ठर, सास प्रवीन मेहता अपने 10-12 साथियों के साथ आया और कुंडा तोड़कर गेट खोल दिया। आते ही इन लोगों ने उसके व उसके पिता के साथ मारपीट व गाली-गलौच शुरू कर दी।

सड़क पर चलती लग्जरी कार में लगी आग

- धू-धू कर जल गई पूरी कार, चालक ने छलांग लगाकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज. भूना

शहर भूना से करीब ढाई किलोमीटर दूर खासा पठाना गांव के नजदीक टोयोटा कार शनिवार की दोपहर बाद अचानक आग का गोला बन गई। कार अचानक धू-धू कर कार जल उठी तो स्टेट हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने आगजनी की घटना को लेकर तुरंत मार्केट कमेटी भूना की फायर बिग्रेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और रमेश कुमार वर्मा, फायर ऑपरेटर पवन कुमार, राममेहर सिंह और ड्राइवर नरेंद्र कुमार ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी की घटना में कार पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर बाद जिला हिसार के गांव घिराय निवासी राकेश शर्मा अपने बहनोई हिसार के सेक्टर 9/11वासी राजू शर्मा की टोयोटा कार नंबर को चला कर भूना से उकलाना जा रहा था। जैसे ही वह भूना शहर से अढ़ाई किलोमीटर दूर पहुंचा तो खासा पठाना गांव के नजदीक चलती कार में वायरिंग शॉर्ट होने के कारण अचानक आग लग गई। कार चालक राकेश शर्मा ने रफ्तार को काबू करके तुरंत छलांग लगा दी, इसलिए आगजनी की घटना में वह बाल-बाल बच गया। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम व स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन कार पूरी तरह से खाक हो गई है। कार के मालिक राजू शर्मा ने बताया कि टोयोटा कार पंजाब से 40 लाख में कुछ दिनों पहले ही खरीदकर लाए थे। आग के कारण कार पूरी तरह से नष्ट हो गई है, मगर जनहानि होने से बच गई।

भूना। धूं-धूं कर चलती कार।

पैसे निवेश करने के कई तरीके, बाजार में उतरने पहले एक बार कर लें रिसर्च

■ म्यूचुअल फंड विविध विकल्प प्रदान करते हैं ■ एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक व सुरक्षित
■ रियल एस्टेट सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प ■ बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए एनपीएस भी बेहतर

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आजकल, बहुत से लोग पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों की तलाश करते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग अपनी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने वाले सही निवेश साधन को चुनने में भ्रमित होते हैं। हालांकि, निवेश पैसा या निवेश का निर्णय लेना इतना आसान नहीं है, क्योंकि निवेशक सिर्फ एक साधन में कई उद्देश्यों की तलाश करते हैं। इसलिए एक सवाल उठता है- कहां निवेश करें? वैसे, पैसा निवेश करने के लिए विविध विकल्प हैं। रिपोर्ट में हम आपको कुछ विकल्पों के बारे में जानकारी देंगे जो आपकी निवेश जरूरतों को पूरा करने अहम भूमिका निभा सकते हैं।

म्युचुअल फंड

म्यूचुअल फंड्स पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है। शब्द के अनुसार, एक म्युचुअल फंड धन का एक सामूहिक पूल है, जिसका उद्देश्य प्रतिभूतियों की खरीद (फंड के माध्यम से) करना है। यह निवेशकों को एक मार्ग प्रदान करता है। पैसे बचाएं और समय के साथ रिटर्न कमाते हैं। म्यूचुअल फंड विविध निवेश विकल्प प्रदान करते हैं जैसे बांड, डेट, इक्विटीज, आदि ये निवेशकों को अलग खरीदारी और व्यापार करने की आवश्यकता के बिना भी निवेश का अच्छा विकल्प प्रदान करते हैं। म्यूचुअल फंड में कई प्रकार से निवेश किया जा सकता है। पैसा निवेश करने की योजना बनाते समय उस पर विचार कर सकते हैं। इसमें निवेशक कम से कम राशि के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं। म्युचुअल फंड में 500 रुपये से भी निवेश की शुरूआत की जा सकती है। भारत में 44 म्यूचुअल फंड कंपनियां हैं। जिन्हें संपत्ति प्रबंधन कंपनियां एएमसी कहा जाता है। ये म्यूचुअल फंड योजनाएं प्रदान करती हैं और इन कंपनियों द्वारा ही नियंत्रित किया जाता है।

सावधि जमा (एफडी)

सावधि जमा यानी एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक है। हर बैंक इसकी सेवाएं प्रदान करता है। एफडी आपको आकर्षक रिटर्न की ओर ले जाती है। एफडी एक निश्चित परिपक्वता अवधि के साथ आती है। चूंकि इसकी परिपक्वता अवधि 15 दिनों से लेकर पांच वर्ष तक होती है, इसलिए इसे अल्पकालिक और दीर्घकालिक निवेश दोनों के लिए माना जा सकता है। इसमें निवेशक औसतन 7 से 9 फीसदी प्रति वर्ष की ब्याज दर से रिटर्न कमा सकते हैं। यदि आप एक सुरक्षित निवेश चाहते हैं तो एफडी पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। इसमें रिटर्न भले ही कम हो लेकिन पैसा सुरक्षित रहता है।

रियल एस्टेट

सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प है रियल एस्टेट रियल एस्टेट। मूल रूप से, अचल संपत्ति निवेश करती है और स्वामित्व, भूमि या संपत्ति (संपत्ति) की खरीद से संबंधित है। किसी भी प्रकार की संपत्ति में निवेश करने से पहले, पहले गहराई से विवरण प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, आपको संपत्ति/भूमि के स्थान पर विचार करना चाहिए, थोक संपत्तियों की तलाश करनी चाहिए आदि। इसमें निवेश करने के लिए एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन यह उच्च रिटर्न निवेश के साथ कम जोखिम वाला है। हालांकि, अगर आप पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक की तलाश कर रहे हैं तो रियल एस्टेट सोचने लायक है।

सोना

पैसा निवेश करने के लिए सोना हमेशा सबसे अच्छे तरीकों में से एक रहा है। यह सबका पसंदीदा निवेश माना जाता है। इसमें सालान औसत 7 से 12 फीसदी तक रिटर्न मिल सकता है। इसके अलावा, भारतीयों का पारंपरिक रूप से सोन के के प्रति लगाव भी रहा है। लोगा सोने को हमेशा एक संपत्ति के रूप में देखते हैं, जो समय के साथ धन जमा करता है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)

बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए आप राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) सबसे बेहतर निवेश विकल्पों में से एक मान जाता है। यह एक सेवानिवृत्ति बचत योजना है जहां नियोक्ता और कर्मचारी दोनों ही संपत्ति के निर्माण में योगदान करते हैं, जो सेवानिवृत्ति के समय संबंधित कर्मचारी पर बकाया है। एनपीएस भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है और इस योजना को पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। हालांकि, एनपीएस को पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है, क्योंकि इसका टैक्स सेविंग निवेश। अगर निवेशक सालाना 1.5 लाख तक निवेश करते हैं तो वे टैक्स बचत कर सकते हैं। टैक्स कटौती की धारा 80सी के तहत इसमें टैक्स लाभ मिलता है। 18 से 60 वर्ष की आयु वर्ग का हर भारतीय नागरिक अस योजना में निवेश कर सकता है। अगर आपको अचानक नुकसान होने का डर है, या आप अपने परिवार के जीवन की रक्षा करना चाहते हैं, तो बीमा पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। बीमा आपको और आपके परिवार को आजीवन सुरक्षा प्रदान करता है। लोग जीवन में अनिश्चित समय के दौरान बीमा को रीढ़ की हड्डी के रूप में चुनते हैं।

इस साल बेहतर हो सकते हैं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड

उम्मीद
बिजनेस डेस्क

- नए फाइनेंशियल इयर में सधे कदमों से करें निवेश की तैयारी
- निवेशकों लिए बेहतर हो सकते हैं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड
- निवेशक फीचर्स और रिटर्न देखकर ही करें निवेश का फैसला

नया फाइनेंशियल ईयर शुरू हो गया है। ऐसे में आपके लिए अपने पोर्टफोलियो का आकलन करने का समय आ गया है। मौजूदा समय में बाजार अपने आलटाइम हाई के करीब हैं और बीते एक साल की बात करें तो लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप हर सेगमेंट में जोरदार रैली देखने को मिली है। लार्जकैप इंडेक्स निफ्टी करीब 28 फीसदी तो मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 60 फीसदी से ज्यादा मजबूत हुए हैं। ऐसे में आगे इनमें बिकवाली संभव है। ऐसे में नए फाइनेंशियल की शुरूआत में निवेशकों के लिए मल्टी एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी बेहतर हो सकती है, जिसके लिए मल्टी एसेट अलोकेशन फंड बेहतर विकल्प हैं। एक्सपर्ट भी कहते हैं कि जब भी बाजार को लेकर आशंका हो अपना पार्टफोलियो डाइवर्सिफाइड करें।

क्या है एसेट अलोकेशन

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड निवेशकों को एक एकल निवेश प्रदान करते हैं जो ऋण, इक्विटी और एक अतिरिक्त परिसंपत्ति वर्ग जैसे रियल एस्टेट, सोना इत्यादि को जोड़ता है। इसके अलावा, ये योजनाएं विभिन्न परिसंपत्ति आवंटन एल्गोरिदम को नियोजित करती हैं जो बदलती बाजार स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए डिजाइन की गई हैं। इसका मतलब है डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो। यानी पोर्टफोलियो में अलग अलग एसेट क्लास को कुछ न कुछ हिस्सा देना। किस एसेट क्लास का कितना हिस्सा हो, यह निवेशक के रिस्क लेने और फाइनेंशियल गोल के अनुसार होना चाहिए। अलग में अलग अलग एसेट क्लास अलग अलग साइकिल में मार्केट लीडर बन सकते हैं यानी उनका प्रदर्शन अलग अलग साइकिल में अलग अलग हो सकता है। ऐसे में अगर कभी डेट में गिरावट आती है तो इक्विटी उसे बैलेंस कर सकता है। वहीं इक्विटी या डेट में गिरावट को गोल्ड या कमोडिटी से बैलेंस किया जा सकता है।

ये फंड हैं बेस्ट विकल्प

साल 2024 जहां शेयर बाजार के लिए उतार चढ़ाव भरा साबित हो रहा है, मल्टी एसेट अलोकेशन म्यूचुअल फंड फोकस में हैं। इस साल अब तक मल्टी एसेट अलोकेशन फंड का एवरेज रिटर्न सेंसेक्स और निफ्टी इंडेक्स से ज्यादा रहा है। वहीं, हाइब्रिड कैटेगरीज में इस कैटेगरी का रिटर्न इस साल अब तक सबसे ज्यादा रहा है। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड निवेशकों को सिंगल इन्वेस्टमेंट के जरिए डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं। इनका निवेश इक्विटी, डेट, गोल्ड के अलावा रियल एस्टेट जैसे एसेट क्लास में होता है। इनकी यही खासियत निवेशकों को बेस्ट रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न प्रदान करने की क्षमता रखती है। इन फंडों का उद्देश्य कई एसेट क्लास में मल्टी-एसेट अलोकेशन के माध्यम से निवेश पोर्टफोलियो को बढ़ाना व डाइवर्सिफिकेशन लाना है।

किसे करना चाहिए निवेश

मल्टी-एसेट एलोकेशन म्यूचुअल फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प है, जिनकी जोखिम लेने की क्षमता कम है, लेकिन वे अपने निवेश पर स्टेबल रिटर्न चाहते हैं। वहीं, जो निवेशक अपने पोर्टफोलियो में अलग अलग प्रमुख एसेट क्लास में डाइवर्सिफिकेशन चाहते हैं, उनके लिए भी विकल्प बेहतर हैं।

1 साल से 10 साल में रिटर्न

मल्टी एसेट अलोकेशन फंड की बात करें तो इस कैटेगरी ने 1 साल, 3 साल, 5 साल और 10 साल में लगातार हाई रिटर्न दिया है। इन फंडों का एवरेज रिटर्न 1 साल में 26.43 फीसदी, 3 साल में 15.04 फीसदी, 5 साल में 13.81 फीसदी और 10 साल में 10.72 फीसदी रहा है। साल 2024 में अबतक इनका एवरेज रिटर्न करीब 4.23 फीसदी है, जो सेंसेक्स व निफ्टी की तुलना में ज्यादा है।

5 साल में टॉप स्कीम

- क्वांट मल्टी एसेट अलोकेशन फंड: 28.54%
- कोटक मल्टी एसेट अलोकेशन फंड एफओएफ : 20.49%
- आईसीआईसीआई प्रू मल्टी एसेट अलोकेशन फंड: 19.63%
- एबीएसएल फाइनेंशियल प्लानिंग एफओएफ एग्रेसिव: 15.78%
- एचडीएफसी मल्टी एसेट अलोकेशन फंड: 15%

बिटकॉइन, सोना, शेयर या बॉन्ड....किसमें करें निवेश

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- इस समय सभी एसेट्स ऑल-टाइम हाई के करीब कर रहे हैं ट्रेड
- निवेशक हो रहे कन्फयूज क्या करें, क्या न करें, क्या रहेगा बढ़िया
- सेंसेक्स और निफ्टी50 अपने उच्चतम स्तर के करीब पहुंचे
- ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स भी बेहतर
- सोना भी ऑल-टाइम हाई पर, पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी निवेश करें
- बिटकॉइन सबसे रिस्की, लेकिन दे रहा सबसे ज्यादा रिटर्न

इस समय शेयर बाजार, सोना, बिटकॉइन समेत सभी एसेट्स अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। बिटकॉइन ने पिछले सप्ताह नया रिकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में निवेश कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। बाजार में हमेश रिस्क चलता रहता है। इसलिए कोई भी कदम उठाने से पहले एक बार अपने लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देख लें तो बेहतर होगा।

निवेशकों में आजकल कनफ्यूजन की स्थिति है। इसकी वजह यह है कि निवेश के सभी विकल्पों में तेजी दिख रही है। घरेलू शेयर बाजार अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। सोना भी अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। क्रिप्टो मार्केट में भी बहार आई हुई है। बिटकॉइन ने पिछले हफ्ते नया रेकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में इन्वेस्टर्स कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। हालांकि कहा जाता है कि म्युचुअल फंड पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। लेकिन इस समय निवेश के सभी विकल्प गुलजार हैं। ऐसे में सभी ज्यादा से ज्यादा लाभ लेना चाहते हैं और निवेश के लिए तमाम जतन कर रहे हैं। इा रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि जब हर तरह का बाजार बुलंदी पर हो तो क्या करना चाहिया या निवेश का कौना सा तरीका बेस्ट हो सकता है।

डेट

मीडियम-टर्म गोल के लिए डेट बेस्ट एसेट क्लास है। ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स पर ज्यादा रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इंटरेस्ट रेट में कमी आती है तो बॉन्ड की कीमतें बढ़ती हैं। इसमें ज्यादा जोखिम भी नहीं रहती है। जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो का 40 परसेंट डेट में निवेश कर सकते हैं। इसी तरह 40 फीसदी इक्विटी में और बाकी 20 फीसदी दूसरे एसेट क्लास में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड

सोना भी ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। देश में इसका भाव 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है जो इसका नया रेकॉर्ड है। जानकारों की मानें को निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी सोने में निवेश करना चाहिए। पिछले 20 साल में गोल्ड ने 11 फीसदी से अधिक सालाना रिटर्न दिया है जबकि इस दौरान चांदी की सालाना रफ्तार नौ फीसदी रही है। हाल के वर्षों में चांदी ने सोने से बेहतर रिटर्न दिया है।

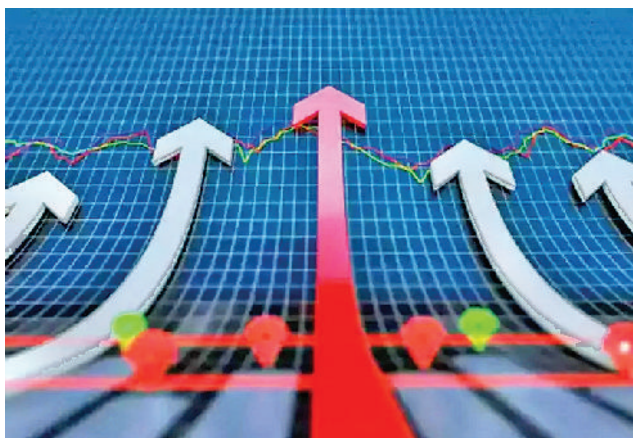

इक्विटी

प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी-50 अपने उच्चतम स्तर के करीब ट्रेड कर रहे हैं। जानकारों की मानें तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में सबसे ज्यादा इक्विटी में निवेश करना चाहिए। इसमें भी एसआईपी सबसे बेहतर विकल्प है। निवेशक के पोर्टफोलियो में 20 परसेंट पैसिव लार्ज-कैप फंड, 50 परसेंट फ्लेक्सी-कैप फंड और 30 परसेंट मिड-कैप फंड होना चाहिए। इससे आपके पोर्टफोलियो का डाइवर्सिफिकेशन होगा और जोखिम में संतुलन रहेगा।

बिटकॉइन

क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत में हाल के दिनों में भारी तेजी देखने को मिली है। दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत पिछले हफ्ते ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। भारत में सरकार ने क्रिप्टोकरेंसीज को रेगुलेट नहीं किया है। ऐसे में जानकारों का कहना है कि क्रिप्टो में अपने पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी से ज्यादा निवेश नहीं करना चाहिए। हालांकि हाल के वर्षों में बिटकॉइन ने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है।

कितना कैश होना चाहिए

जानकारों का कहना है कि सारा पैसा निवेश करना सही नहीं है। आपात स्थिति के लिए आपके सेविंग अकाउंट में कम से कम छह महीने की जरूरत के लिए कैश होना चाहिए। शेयर मार्केट में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में गिरावट की आशंका है। निवेशक को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने की जरूरत है। आदर्श स्थिति देखें तो निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 50 फीसदी इक्विटी में, 20 परसेंट डेट में, 10 फीसदी गोल्ड में, 10 फीसदी कैश में, 5 फीसदी सिल्वर में और 5 फीसदी क्रिप्टो में निवेश करना चाहिए।

सुझाव कई स्कीमों ने 41 से 68% तक का सालाना रिटर्न दिया, एक साल में रिटर्न में स्मॉलकैप का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंडों से बेहतर

स्मॉलकैप फंड निवेशकों को बना रहे धनवान, लेकिन सावधानी रखें

औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा, निवेशकों ने करोड़ों रुपये कमाए

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

निवेश यानी बचत हर किसी को करनी चाहिए, क्योंकि इससे भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत होता है। बचत बच्चों की पढ़ाई, शादियों और बुढ़ापे में काफी मददगार साबित होते हैं। इसलिए हर किसी को अपनी कमाई का कम से कम 10 फीसदी तो जरूर बचत करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि इस बचत को सावधानी के साथ यदि म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाए तो अच्छा खास फंड बनाया जा सकता है। इन दिनों स्मॉलकैप शेयर काफी चर्चा में हैं। बीते 1 साल के दौरान इन्होंने आउटपरफॉर्म किया है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में करीब 65 फीसदी रिटर्न दिया है, जबकि लार्जकैप का रिटर्न 25 फीसदी रहा है, इस दौरान कई स्मॉलकैप स्टॉक में 100 फीसदी या इससे ज्यादा तेजी आई है। फिलहाल स्मॉलकैप की इस तेजी का फायदा म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी मिला है। बीते फाइनेंशियल ईयर में स्मॉलकैप फंड रिटर्न देने के मामले में इक्विटी कैटेगरी में नंबर 1 साबित हुए हैं। देखने में आ रहा है कि स्मॉलकैप फंड निवेशकों को मालामाल कर रहे हैं, लेकिन निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय करें और पोर्टफोलियों में डायवर्सिटी रखें इससे आपको नुकसान नहीं होगा। बाजार के जानकारों का कहना कि किसी भी एसेट्स में निवेश से पहले सावधानी बरतें, यानी जिस फंड में निवेश करने जा रहे हैं उसे एक बार अच्छे से जांच परख लें।

एक साल में रिटर्न देने के मामले में स्मॉलकैप फंड का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंड कैटेगरी से बेहतर रहा है। इनका औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इक्विटी कैटेगरी में 1 साल का औसत रिटर्न कितना रहा।

ऐसे समझें रिटर्न

- स्मॉलकैप फंड: 53 फीसदी
- मिडकैप फंड: 52.60 फीसदी
- लार्जकैप फंड: 41 फीसदी
- लार्ज एंड मिडकैप फंड: 44 फीसदी
- फ्लेक्सी कैप फंड: 39.67 फीसदी
- मल्टीकैप फंड: 45.62 फीसदी
- ईएलएसएस: 39.37 फीसदी
- वैल्यू ओरिएंटेड: 50 फीसदी
- (वित्त वर्ष 24: इन 30 इक्विटी स्कीम में 50 से 72% बढ़ा पैसा।)

टॉप परफॉर्म करने वाले म्यूचुअल फंड

- क्वांट स्मॉल कैप: 68%
- निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप: 57%
- इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप: 55%
- बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप: 51%
- एडलवाइस स्मॉल कैप: 50%
- एचएसबीसी स्मॉल कैप: 49%
- आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप: 43%
- एक्सिस स्मॉल कैप: 41%
- केनरा रोबेको स्मॉल कैप: 41%
- टाटा स्मॉल कैप: 41%

छोटी कंपनियों के शेयर क्यों चढ़े

जानकारों का कहना है कि मौजूदा वित्त वर्ष में सेंसेक्स की तुलना में छोटी कंपनी के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन भारतीय घरेलू बाजार की गतिशील प्रकृति और निवेशकों को प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों को दर्शाता है। विश्लेषकों के अनुसार, छोटी कंपनियों के शेयर आमतौर पर स्थानीय निवेशकों द्वारा खरीदे जाते हैं, जबकि विदेशी निवेशक बड़ी कंपनियों के शेयर पर ध्यान केंद्रित करते हैं। निवेशकों के सेंटीमेंट में यह बदलाव भारत में मजबूत व्यापक आर्थिक स्थितियों से प्रेरित है। यह परंपरागत रूप से आर्थिक विस्तार की अवधि के दौरान छोटी कंपनियों के शेयरों में तेज ग्रोथ को बढ़ावा देता है।

क्या होते हैं स्मॉलकैप फंड

स्मॉलकैप फंड की बात करें तो ये मार्केट कैप के लिहाज से स्मॉल कैप कंपनियों के स्टॉक और इक्विटी-रिलेटेड विकल्पों में निवेश करते हैं। सेबी के अनुसार, मिड कैप कंपनियां, मार्केट कैपिटलाइजेशन में 250 से 500 के बीच रैंक की जाती हैं। ये फंड आमतौर पर लार्ज-कैप और मिडकैप फंडों की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं, लेकिन उनकी तुलना में इसमें अस्थिरता ज्यादा होती है। बाजार में गिरावट आने पर स्मॉलकैप में गिरावट दूसरे सेगमेंट की तुलना में ज्यादा हो सकती है। उसी तरह तेजी आने पर ये लार्जकैप या मिडकैप की तुलना में ज्यादा रिटर्न भी देते हैं। फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह ली जाए तो ये रिस्क और रिटर्न का सही संयोजन हो सकते हैं।

स्मॉलकैप फंड में कौन करे निवेश

अगर बाजार का रिस्क लेने को तैयार हैं और आपके निवेश का लक्ष्य 7 साल से 10 साल का है तो स्मॉलकैप फंड हाईरिटर्न पाने के लिए बेहतर विकल्प माने जाते हैं। लंबी अवधि तक निवेश बनाए रहने से बाजार का जोखिम कम हो जाता है। इनका एवरेज रिटर्न बेहतर हो जाता है। ऐसे में अगर युवा हैं और रिस्क लेने को तैयार हैं, तो आप फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह लेकर इन स्कीम में निवेश कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

60480 रुपये की जुआ राशि सहित पांच पकड़े

सिरसा। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा की टीम ने कपास मंडी में दुकान नंबर 10 के पीछे सरेआम जुआ खेलते आधा दर्जन लोगों को हजारों रुपये की जुआ राशि सहित धर दबोचने में सफलता हासिल की है। एएनसी के सहायक उपनिरीक्षक प्रह्लाद सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के बाद कपास मंडी एरिया में रेड की। पुलिस ने मौके से 5 लोगों को धर दबोचा। जिनकी पहचान संजय पुत्र पूर्णचंद मेहता निवासी खारियां, अभिनाश पुत्र बिहारी लाल अरोड़ा निवासी हुडा सेक्टर-20, बलजीत सिंह पुत्र मंगत सिंह निवासी मुलतानी कालोनी सिरसा, राजकुमार पुत्र बंसीलाल निवासी बेगू रोड व गुरविंद्र पुत्र गुरलाल निवासी नागोकी के रूप में की गई है।

दुकान का ताला तोड़कर लाखों के आभूषण चुराए

सिरसा। शहर के कीर्तिनगर क्षेत्र में चोर एक सुनार की दुकान के ताले तोड़कर लाखों रुपए के सोने व चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में दुकान संचालक जगदीश ने बताया कि उसने कुछ समय पूर्व ही कीर्तिनगर स्थित सरकारी स्कूल वाली गली में सुनार की दुकान की थी। शाम को वह रोजाना की भांति दुकान बंद कर घर चला गया। देर रात को चोरों ने दुकान में घुसकर 550 ग्राम चांदी व 40 ग्राम सोने के आभूषण चोरी कर लिए।

जीजेयू ने परीक्षा परिणाम घोषित

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि दिसंबर 2023 में आयोजित एमएससी जियोग्राफी प्रथम सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2021, एमएससी जियोग्राफी तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2020 व 2021, बीटेक आईटी पंचम सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2018-2020, बीटेक आईटी पंचम सेमेस्टर (मेन) बैच 2021, बीएससी मेडिकल कोर्स कोड 235 पंचम सेमेस्टर (रिअपीयर व मेन) बैच 2019, 2020 व 2021 परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र आज

हिसार। नीरस व तनावग्रस्त जीवन से निकलकर समग्रता से जीवन जीने के उपाय सीखने के लिए ओशो ध्यान उपवन में 7 अप्रैल को ध्यान सत्र आयोजित किया जाएगा। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय ने बताया कि सिरसा रोड पर स्थित ओशो ध्यान उपवन में प्रातः 9 बजे से प्रातः 11 बजे तक आयोजित होने वाले इस ध्यान सत्र में ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास भी करवाया जाएगा।

शिविर में 100 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

बरवाला। ढाणी गारण मार्ग पर स्थित नेशनल आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के प्रांगण में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी, हिसार और महाराज अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 100 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। शिविर में मुख्य अतिथि के रुप में हरियाणा लोक सेवा आयोग सदस्य ज्योति बैंदा ने शिरकत करते हुए शिविर का शुभारम्भ किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रोफेसर मनदीप मालिक एवं अनीता मलिक उपस्थित रहे।

अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज

हिसार। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि राष्ट्रीय अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन करनाल में 7 अप्रैल को रामलीला मैदान में होगा। सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। जिसमें हजारों युवक-युवतियां परिवार सहित भाग लेंगे। इस सम्मेलन में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, दिल्ली, यूपी के साथ-साथ अन्य राज्यों के युवक-युवतियां परिवार सहित करनाल में पहुंचने शुरू हो गए हैं।

तैयारियां पूरी, श्रद्धालुओं में उत्साह

श्री अमर ज्योति मंदिर का वार्षिक समारोह 8 अप्रैल से

दूरदराज दिल्ली, यूपी, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड से पहुंचने वाले श्री झूलेलाल जी के भक्तों के लिए किए गए व्यापक प्रबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सतगुरु बाबा श्री झूलेलाल जी श्री अमर लाल जी महाराज की कृपा एवं मंदिर संस्थापक ठक्कर बाबा साहेब लाल के शुभ आशीर्वाद से हर वर्ष आयोजित किया जाने वाला मंदिर का वार्षिक महोत्सव मंदिर संचालक गुरु माता प्रकाश देवी ठक्कर के पावन अध्यक्षता में 8 अप्रैल से 10 अप्रैल तक बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। समारोह के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। श्री अमर ज्योति मंदिर को रंग बिरंगी लाइटों और फूल मालाओं से सजाया गया है। श्री अमर ज्योति मंदिर संस्था के सेवादार, पदाधिकारियों और मंदिर की हिसार व रतिया शाखा के पदाधिकारियों की ड्यूटियां निर्धारित की गई है। दूरदराज दिल्ली, यूपी, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड से पहुंचने वाले श्री झूलेलाल जी के भक्तों के रहने, ठहरने, भोजन आदि की व्यवस्था के व्यापक प्रबंध किए गये है।

फतेहाबाद। श्री अमर ज्योति मंदिर।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी देवी दयाल तायल, ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्यवंशी कमल हांडा, फतेहाबाद जिला प्रधान ओमप्रकाश चुघ, प्रमुख समाजसेवी अशोक मित्तल एवं मदन लाल मुटरेजा समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। समारोह के दौरान अनेक धार्मिक कार्यक्रम किए जाएंगे। श्री रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ, ध्वजारोहण, भजन संकीर्तन, श्री झूलेलाल जी की महिमा, हवन यज्ञ, लंगर भंडारे आदि कार्यक्रम किए जाएंगे।

ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का आगाज होगा

8 अप्रैल को सुबह श्री रामायण जी के पाठ का विधिवत पूजा अर्चना मंत्र उच्चारण के साथ शुभारंभ किया जाएगा वही 8 अप्रैल शाम को 4 बजे ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का आगाज होगा। 9 अप्रैल को शाम 4 से 7 बजे तक सत्संग होगा और 10 अप्रैल को समापन अवसर पर सुबह सर्व कष्टों निवृत्ति के लिए हवन यज्ञ, श्री झूलेलाल जी के चरणों की पूजा अर्चना, विद्वान संत महापुरुषों द्वारा आध्यात्मिक अनमोल वचन, श्री रामायण जी के पाठ का भोग, सुंदरकांड पाठ व विशाल लंगर भंडारा किया जाएगा। समारोह दौरान कथा व्यास महंत रामसागर जी महाराज प्रभा मुनि जी महाराज, सरल म्यूजिकल ग्रुप श्री झूलेलाल जी की महिमा का गुणगान करेंगे।

शराब की अवैध आवाजाही व बिक्री की शिकायतों के लिए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित

- शिकायतें/सूचना नियंत्रण कक्ष के टेलीफोन टोल फ्री नंबर 18001022012, 0172-4112222 पर दर्ज की जा सकती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नरवाल ने बताया कि आबकारी एवं कराधान विभाग हरियाणा की ओर से लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान शराब की अवैध आवाजाही के संबंध में शिकायतों के लिए नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। शिकायतें/सूचना नियंत्रण कक्ष के टेलीफोन टोल फ्री नंबर 18001022012, 0172-4112222 पर दर्ज की जा सकती है। कोई भी व्यक्ति शराब की किसी भी अवैध आवाजाही या बिक्री के संबंध में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है या सूचना दे सकता है। उन्होंने बताया कि आमजन लोकसभा आम चुनाव के दौरान आचार संहिता के संचालन के दौरान हरियाणा राज्य में शराब की अवैध आवाजाही, बिक्री एवं नकली शराब से संबंधित शिकायतें देने व प्राप्त करने के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग, हरियाणा द्वारा प्रधान कार्यालय, पंचकूला में राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। उपायुक्त राहुल नरवाल ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव के दौरान जिला में अवैध रूप से शराब की बिक्री न हो, इसके लिए संबंधित विभाग तत्परता से निगरानी करें और समय-समय पर अधिकृत शराब ठेकों पर रिकॉर्ड भी चेक करें। किसी भी हाल में जिला में अवैध शराब ना मिले। अगर कहीं भी अवैध शराब पाई गई तो संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि संदिग्ध लोगों व स्थानों पर कड़ी नजर रखते हुए जिला में अवैध शराब की सप्लाई को रोकने में सजगता रखनी है। इसके अलावा अवैध व नकली शराब की बिक्री जैसी गतिविधियों पर पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी नजर रखी जाएगी।

युवक 6.50 ग्राम हैरोइन सहित काबू

डबवाली। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस ने ओढां से एक व्यक्ति को 6 ग्राम 50 मिलीग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। एएनसी स्टाफ डबवाली प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान राजेंद्र सिंह निवासी ओढां के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना ओढां में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई है। वहीं एक अन्य मामले में एएनसी स्टाफ ने गांव खुइयां मलकाना के समीप से एक व्यक्ति को शक के आधार पर काबू करके नियमानुसार तलाशी ली तो उसके कब्जे से डेढ़ किलोग्राम डोडा चूरापोस्त बरामद हुआ। आरोपी की पहचान अमरीक सिंह निवासी खुइयां मलकाना के रुप में हुई। आरोपी के खिलाफ थाना सदर डबवाली में मामला दर्जकर जांच शुरू की गई है।

भाकपा की मासिक बैठक आयोजित

रानियां। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी की मासिक बैठक बाबा बनता सिंह भवन रानियां में कॉमरेड बलराज सिंह बणी की अध्यक्षता में हुई। बलराज सिंह बणी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा को पराजित किया जाना आवश्यक है। इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार करने का संकल्प लिया। आने वाले दिनों में भाजपा की लोक विरोधी नीतियों के कारण जनमानस की आवाज को समझते हुए भाजपा प्रत्याशी का सिरसा लोकसभा में डट कर विरोध किया जाएगा। लोकसभा चुनाव 2024 में मोदी की दमनकारी हिटलारशाही सरकार को भारत से चलता करना बहुत जरूरी है, भारत के लोकतंत्र को बर्बाद होने से बचाने के लिए लोगों तक पहुंच बनाई जाएगी। इस मोके पर डॉ. सुखदेव सिंह जम्मू, रामकुमार, बलदेव बरार, गुरमीत सिंह, मोहन सिंह टपियाल, सुरजीत सिंह, जगरूप सिंह चौबुर्जा, तिलक राज विनायक, बलवंत सिंह, डॉ. बलजीत सिंह, पाला सिंह चीमा, लक्ष्मण सिंह शेखावत, जोगिंदर सिंह, प्रीतपाल सिंह सिद्धू मौजूद रहे।

हिन्दू नववर्ष महोत्सव के लिए उत्तरप्रदेश से हिसार पहुंची श्रीरामलला की पावन छवि

- आज अग्रसेन भवन में आयोजित होने वाले हिन्दू नववर्ष महोत्सव की तैयारियां पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

श्री प्रभुभक्त संकीर्तन मंडल द्वारा 7 अप्रैल को महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित किए जाने वाले हिन्दू नववर्ष महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई है। छत्रपति शिवाजी स्मारक समिति की युवा विंग के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद शहर से श्रीरामलला की पावन व मनोहारी छवि हिसार पहुंच चुकी है। इस दौरान युवा विंग के अध्यक्ष बृजेश, अभिनव, यश, पुलकित, पंकज व वास्तव सहित काफी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। हिसार पहुंचने पर श्रीरामलला की छवि पर पुष्प अर्पित करके आस्था व्यक्त की गई। श्रद्धालुओं को श्रीरामलला की छवि के दर्शनों का महोत्सव में अवसर मिलेगा।

युवा विंग द्वारा ध्येय वाक्य भक्ति जागरण से राष्ट्र जागरण से सुशोभित ध्वजाओं से नगर को सजाया गया है। खास बात यह भी है कि इस महोत्सव के लिए मातृशक्ति ने विशेष अभियान चलाया। इसके तहत 2100 से अधिक महिलाओं से संपर्क किया गया।

हिसार। छत्रपति शिवाजी स्मारक समिति की युवा विंग के सदस्य श्रीरामलला की मनोहारी छवि के साथ।

हिन्दू नववर्ष महोत्सव के लिए अग्रसेन भवन का पूरा पंडाल भगवा ध्वजाओं से सुसज्जित किया जाएगा। महोत्सव में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर साध्वी शक्तिपुरी जी महाराज, भोजपुरी गायिका रागिनी उपाध्याय व बॉलीवुड सिंगर प्रमोद त्रिपाठी अपने मधुर कंठ से देवी-देवताओं व बलिदानियों का गुणगान करेंगे। इनके साथ ही गायक विशाल मित्तल, विकास बागड़ी, राहुल जोगी, विनोद पनिहार, कृष्ण बोस, अजय सिंह, किशोरी पलक, बाबा की परी, काकुल कौशिक, भूमिका पाहुजा, सोनम मल्होत्रा व पावनी खुराना सहित पवन गेरा, माधव त्रिपाठी, कृष्ण गोयल व महेंद्र मतवाला भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं की ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका : डॉ. आर्य

- राजकीय महिला महाविद्यालय में इंटर जोनल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राजकीय महिला महाविद्यालय भूगोल विभाग की ओर से इंटर जोनल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आठ राज्यों की आठ टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ. रमेश आर्य शनिवार को कहा कि आज पर्यावरण के क्षेत्र में रोजगार के अवसर कैसे बनाए जा सकते हैं? पर्यावरण की सुरक्षा आज के समय की मांग है। छात्रों में कौशल विकास और उद्यमिक उद्यमिता का विकास करना जरूरी है। इस तरह की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं छात्र-छात्राओं में ज्ञान के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी उत्पन्न करती हैं। प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल सिंगला, रतन बंसल व नरेश

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

सेलपाड़ उपस्थित थे। महाविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ पंजाबोग्राफर्स की ओर से क्विज कोऑर्डिनेटर की भूमिका डॉ. मनोज जांगड़ा ने निभाई। डॉ. मनोज जांगड़ा राजकीय महाविद्यालय हिसार में भूगोल विषय के एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

इस प्रतियोगिता में मंच संचालन की भूमिका डॉ. संजय कुमार ने निभाई। भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप शर्मा ने उपस्थित सभी टीम के प्रतिभागियों और टीम इंचार्ज का स्वागत किया। प्रतियोगिता में आठ राज्यों की आठ टीमों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय आदमपुर ने प्रथम व छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दोनों विजेता टीम्स अब राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

रामनवमी महोत्सव 9 से

हिसार। श्री रामलीला कमेटी कटला के 127वें रामनवमी महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। 9 से 17 अप्रैल तक हिसार के महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में प्रतिदिन दोपहर 3.15 बजे से सायं 7 बजे तक ब्रजवासी-छोटे मैया परम पूज्य डॉ. नरेशचंद्र शास्त्री जी संगीतमय पावन श्रीराम कथा करेंगे। 17 अप्रैल को प्रातः 9.15 बजे अग्रसेन भवन से भव्य रामनवमी शोभा यात्रा निकाली जाएगी। श्री रामलीला कमेटी कटला के प्रधान सुरेंद्र लाहौरिया, महासचिव राजेश बंसल व कोषाध्यक्ष रमेश लोहिया ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी रामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने बताया कि 9 अप्रैल को प्रथम दिन वंदना प्रकरण, शिव चरित्र व भारद्वाज-याज्ञवल्क्य संवाद रहेगा। दूसरे दिन 10 अप्रैल को श्रीराम जन्मोत्सव प्रसंग, 11 अप्रैल को विश्वामित्र यज्ञ रक्षा, अहिल्या उद्धार, धनुष यज्ञ व श्रीराम-जानकी विवाह प्रसंग रहेगा। 12 अप्रैल को श्रीराम वनवास व दशरथ जी को शोक, 13 अप्रैल को भरत मिलाप व सीता हरण, 14 अप्रैल को शबरी प्रसंग, मां अनुसूइया प्रसंग, श्रीराम-सुग्रीव मिलन व माता सीता की खोज के प्रसंग रहेंगे। 15 अप्रैल को सुंदर कांड, विभीषण शरणागति, लंका दहन व लंका प्रस्थान, 16 अप्रैल को रामसेतु बंधन, राम-रावण युद्ध, राम राज्याभिषेक व रामराज्य महिमा के प्रसंग श्रद्धालुओं को सुनने का अवसर मिलेगा।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित महेश्वरी समाज की महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

महेश्वरी समाज की महिलाओं ने मनाया पर्व

हिसार। *स्काई लाइन बैंक्वेट हाल में महेश्वरी समाज की महिलाओं ने गणगौर पर्व का विनोरा कार्यक्रम आयोजित किया। गणगौर एक भगवान शिव-पार्वती का रूप है। महेश्वरी समाज की महिलाएं इस पर्व को बहुत ही उत्साह से मनाती हैं और भगवान शिव व पार्वती की पूजा करती हैं। गणगौर पर हमारी सांस्कृतिक पुरानी पंरपराओं के गीत गाए जाते हैं और समाज की खुशहाली के लिए भगवान शिव-पार्वती से प्रार्थना की जाती है। मौके पर महेश्वरी महिला मंडल की सभी महिलाएं एकत्रित हुई, जिसमें शैली राठी, पूजा राठी, वंदना, सीमा आदि मौजूद थे।*

ताकतवर का होता है विरोध : दुष्यंत

उकलाना। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं जेजेपी के वरिष्ठ नेता दुष्यंत चौटाला ने उकलाना हलके के दौरे में दौरान कहा कि ताकतवर का ही विरोध होता है। कमजोर व्यक्ति का कोई विरोध नहीं करता। वे पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि पर पंजाबी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष गुलशन आहुजा के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की लोकसभा की 10 की 10 सीटों पर मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे और जीत हासिल करेंगे। साढ़े चार साल में जो विकास कार्य करवाए हैं। उस पार्टी को अधिक मजबूती मिली है जिसका परिणाम लोकसभा व विधानसभा के चुनाव में देखने को मिलेगा।

उकलाना। कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला। फोटो : हरिभूमि

बीए तृतीय वर्ष की छात्रा कोमल रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

भिवानी रोहिल्ला स्थित महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में भूगोल विभाग द्वारा एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें प्राध्यापिका सीमा के नेतृत्व में छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर चेयरमैन भारत भूषण प्रधान उपस्थित हुए। इस अवसर पर छात्राओं ने चंद्रयान-3, वायुमंडल की परतें, पृथ्वी की परतें, सौरमंडल व वन्य जीवन पर भव्य मॉडल प्रस्तुत किए। छात्राओं ने चंद्रयान तीन की उड़ान को मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित किया। महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा ने छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए मॉडल की सराहना की। इस प्रदर्शनी में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा कोमल ने प्रथम स्थान, बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा मेघा ने द्वितीय स्थान व बीए तृतीय वर्ष की छात्रा रेनू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. शमीम शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतियोगी प्रदर्शनियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि भूगोल एक व्यापक विषय है और इसमें दक्षता प्राप्त करके बेहतर रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि चेयरमैन भारत भूषण प्रधान, डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

स्व. बनवारी लाल घोटिया के चित्र पर पुष्प अर्पित किए

बनवारी लाल की पुण्यतिथि पर लगाया शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

- कैंप में 42 यूनिट रक्त एकत्रित किया

जिला के गांव भागसर में स्व. बनवारी लाल घोटिया की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। शिविर में शिव शक्ति ब्लड बैंक की टीम ने रक्त एकत्रित किया। कैंप में आए हुए लोगों ने स्व. बनवारी लाल घोटिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह जानकारी देते हुए कैंप के आयोजक अभय घोटिया व अजय घोटिया ने बताया गांव के सरकारी स्कूल में आयोजित इस रक्तदान कैंप में 42 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस मौके पर सरपंच प्रदीप बैनीवाल ने कैंप के आयोजकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अपने प्रियजनों की याद में रक्तदान कैंप लगाना अच्छी पम्परा है। साथ ही उन्होंने कहा कि रक्तदान को महादान कहा गया है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा किया गया खूनदान किसी जरूरतमंद के काम आ सकता है और उसकी जिंदगी बचाई जा सकती है। इस मौके पर डा. राजकुमार डूमरा, डॉ. अंजू डूमरा, जिलेदार नरेश गोदारा, बलविंद्र नेहरा, सरपंच प्रदीप बैनीवाल, सरपंच मुखत्यार सिंह, कुलदीप ढिल्लों सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान रक्तदानियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

सिरसा। भागसर में आयोजित कैंप में रक्तदान करते युवा।

खबर संक्षेप

भारती निकेतन कान्वेंट स्कूल में हुई बाल सभा

रतिया। भारती निकेतन कॉन्वेंट स्कूल में शनिवार को बाल सभा का आयोजन किया गया। स्कूल प्रधानाचार्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूल ही एक ऐसा मंच है जो किसी न किसी रूप में बच्चों की कला को ढूंढने का प्रयास करता है। उसी कला के माध्यम से छात्र समाज में अपने कर्तव्य को निभाते हैं। बाल सभा का रुझान विद्यालयों में धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।

पुस्तक परिचर्चा, काव्य-गोष्ठी 11 को

सिरसा। अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ के 89वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रलेस सिरसा द्वारा 11 अप्रेल को श्री युवक साहित्य सदन, सिरसा में विमर्श, पुस्तक परिचर्चा व काव्य-गोष्ठी आयोजित की जाएगी। यह निर्णय डॉ. गुरप्रीत सिंह सिंधरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई प्रलेस सिरसा इकाई की बैठक में लिया गया। आयोजन सचिव परमानंद शास्त्री और डॉ. हरविंद्र सिंह ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री आज टोहाना में करेंगे रैली : बराला

फतेहाबाद। अपने चुनाव प्रचार को भारतीय जनता पार्टी ने तेज कर दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार रैलियां कर रहे हैं। इसी कड़ी में 7 अप्रैल को सिरसा लोकसभा के टोहाना में मुख्यमंत्री विजय संकल्प रैली को संबोधित करेंगे। लगातार मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए भाजपा के पदाधिकारियों ने भी अपनी कमर कसी हुई है और वे लगातार रैलियों की सफलता के लिए लगे हुए हैं। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला टोहाना रैली के संयोजक रहेंगे।

पुलिस ने नशा तस्कर को दबोचा, केस दर्ज

सिरसा। सीआईए कालांवाली पुलिस टीम ने नशे के सप्लाई करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सतबीर निवासी गांव अलीकां तहसील डबवाली जिला सिरसा के रूप मे हुई है। सीआईए कालांवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि आरोपी सतबीर उक्त मामला में थाना शहर डबवाली में वांछित था। सीआईए कालांवाली पुलिस टीम ने शनिवार को गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को गांव अलीकां से धर दबोचा। अब आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

इनेलो नेताओं ने चौ. देवीलाल को किया नमन

किसानों, गरीबों और बुजुर्गों के सच्चे हितैषी थे देवीलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल जी की पुण्यतिथि के अवसर पर इंडियन नेशनल लोकदल द्वारा फतेहाबाद में ताऊ देवीलाल मार्किट में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे इनेलो नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चौ. देवीलाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवं फूल माला अर्पित कर श्रद्धांजली दी और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इनेलो जिला प्रधान बलविन्द्र कैरों द्वारा की गई।

फतेहाबाद। चौ. देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजली देते इनेलो नेता व कार्यकर्ता। *फोटो : हरिभूमि*

पेंशन की शुरू

जननायक चौ. देवीलाल को याद करते हुए जिलाध्यक्ष बलविन्द्र कैरों ने कहा कि हरियाणा के निर्माण में चौ. देवीलाल की अहम भूमिका रही थी। किसानों को उनकी फसलों का उचित देने की बात हो या और बुजुगार्ं को मान-सम्मान देते हुए उनकी पेंशन शुरू करने का मामला हो, चौ. देवीलाल ने सबसे पहले इसे हरियाणा में लागू कर हर वर्ग को सभी मूलभूत सुविधाएं देने का काम किया। चौ. देवीलाल जनता से जुड़े नेता और वे जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनते और मौके पर ही उनका समाधान करवाते थे, जिस कारण लोग उन्हें जननायक कहकर पुकारते थे। चौ. देवीलाल की नीतियों को पूर्व सीएम चौ. ओमप्रकाश चौटाला ने अपनी सरकार के समय आगे बढ़ाया। चौ. देवीलाल द्वारा किए गए कायार्ं को लोग आज भी याद करते हैं। इस अवसर पर कार्यकारी जिला प्रधान हरि सिंह डांगरा, पूर्व मंत्री रामस्वरूप रामा, हलका प्रधान जगदीश जैलदार, बीकर सिंह हड़ौली, प्रेम सिंह कन्हड़ी, जाट धर्मशाला के प्रधान जगदीश झाझड़ा, वरिष्ठ नेता बलदेव दरियापुर, युवा इनेलो प्रदेश सचिव अजय रोहज, किसान सैल के जिला संयोजक उमेद नंबरदार, बीसी सैल के जिला संयोजक भागीराम सोनी, महिला विंग जिला प्रधान मंजू बाजीगर, एससी सैल जिला संयोजक रमेश लाली, लीगल सैल जिला संयोजक राजेश शर्मा एडवोकेट, वरिष्ठ नेता सोनी सिंह फौजी, मान सिंह फुलां, संदीप गढ़वाल, विनोद जोंटी, संदीप ताखर, साधुराम नाढोडी, कर्मजीत नकटा, मेवा सिंह भड़ोलांवाली, युवा इनेलो शहरी प्रधान अमन शर्मा, जिला प्रवक्ता यशपाल तनेजा, अनिल मुखी, प्रिंस शर्मा, गुरचरण अमानी, टोहाना शहरी प्रधान अमृतपाल सैनी सहित अनेक इनेलो नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुण्यतिथि पर हुई सर्वधर्म प्रार्थना सभा

सिरसा। देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री स्व. चौधरी देवीलाल की 23वीं पुण्यतिथि पर बाढड़ा की विधायक नैना चौटाला ने जेजेपी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ चौधरी देवीलाल सामुदायिक पार्क में स्थापित चौधरी देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी आयोजित की गई जिसमें सभी पंथों के सभी धार्मिक आचार्योंर् ने अपने अपने पंथ के अनुसार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रभु से कामना की। विधायक नैना चौटाला ने कहा कि चौधरी देवीलाल ने न केवल देश की आजादी के लिए जेल काटी बल्कि हरियाणा के मुख्यमंत्री व देश के उपप्रधानमंत्री के तौर पर किसान, श्रमिक, पिछड़े, खेतीहर मजदूर, बुजुगोंर् सहित तमाम वगोंर् के हितों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं बनाकर उन्हें लागू किया जिससे उनका जीवन बेहतर हुआ। किसानों के ण माफ करके उन्होंने भारतीय राजनीति में किसान हितैषी होने का सबसे बड़ा उदाहरण दिया। विधायक नैना चौटाला ने कहा कि चौधरी देवीलाल द्वारा बुजुगोंर् के हित के लिए लागू की गई पेंशन योजना आज पूरे देश में बुजुगोंर् के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की श्रेणी में नजीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सभी को चौधरी देवीलाल के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज व देश को उन्नत बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी चौधरी देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। वहीं कालांवाली, डबवाली, ऐलनाबाद व रानियां हलके में भी जेजेपी कार्यकर्ताओं ने चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई।

फतेहाबाद। क्रेसेंट स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

क्रेसेंट में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर कार्यक्रम

- योग, मेडिटेशन व अच्छे खान-पान के बारे में जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

क्रेसेंट पब्लिक स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विशेष प्रार्थन सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान योग, मेडिटेशन व अच्छे खान-पान के बारे में जागरूक किया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर कई गतिविधियां भी करवाई गई। कार्यक्रम में अविका तथा वानी के मंच संचालन में खुशी, दिव्यांशी, तनीष व पियूष ने सुविचार प्रस्तुत किये। मीनल ने अपने व्याख्यान में इस दिन के इतिहास तथा उपयोगिता के विषय मे बताया। साथ ही इस वर्ष की विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम 'मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार' के बारे मे भी जागरूक किया। तन्मय एवं लावण्य ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए इस विषय पर सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे। कनिष्का व दृष्टि ने अपनी कविताओं के माध्यम से अच्छे स्वास्थ्य, पर्याप्त आराम और स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत एक लघु नाटिका के माध्यम से खानपान की अच्छी आदतों और हमारे दैनिक जीवन में खेल और व्यायाम के महत्व पर जोर देने के साथ सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में प्रकाश डाला गया। योगा ट्रेनर द्वारा छात्रों को उनके स्वास्थ्य और शरीर को लाभ पहुंचाने के लिए कुछ व्यायाम और योग आसन करवाए गये। प्राचार्या पूनम ने कहा कि अगर हम स्वस्थ नहीं है तो हमारे सामने रखे लजीज व्यंजन, धन-दौलत, घर, गाड़िया सब सब का महत्व नहीं के बराबर है। स्वस्थ जीवन शैली खान-पान के साथ-साथ स्वस्थ विचारशक्ति पर भी निर्भर करती है। अच्छे स्वास्थय के लिए समय का पाबंद होना भी जरूरी है। इसी के साथ उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को सराहा।

मतदाता जागरूकता को लेकर आठ से कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नरवाल के मार्गदर्शन व दिशा निर्देशानुसार जिला में मतदाता जागरूकता को लेकर अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अधिकारियों तथा क्षेत्रीय प्रचार अमले के भजन मंडल कलाकारों द्वारा 8 अप्रैल को गांव खैराती खेड़ा व 9 अप्रैल को गांव करनौली के राजकीय विद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस बारे जानकारी देते हुए जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी आत्मा राम कसाना ने बताया कि स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत जिला में अतिरिक्त उपायुक्त राहुल मोदी को स्वीप कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। 25 मई को होने वाले लोकसभा आम चुनाव में पात्र नागरिकों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने और शत प्रतिशत मतदान के लिए एडीसी की देखरेख में जिला के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, गांवों व कस्बों तथा सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मतदान को प्रेरित किया जाएगा।

पूर्व उपप्रधानमंत्री की पुण्यतिथि पर लगा कैंप

- नागरिक अस्पताल से डॉ. समता व उनकी टीम ने 60 यूनिट रक्त एकत्रित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि पर शनिवार को इनेलो की जिला कार्यकारिणी ने जेसीडी विद्यापीठ में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इनेलो जिलाध्यक्ष कश्मीर सिंह करीवाला व शहरी जिलाध्यक्ष गंगाराम बजाज ने कहा कि चौधरी देवीलाल न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी बल्कि किसानों, श्रमिकों, मजदूरों, युवाओं, बुजुगार्ं, गरीबों, पिछाड़ों के पक्षधर थे जिनके लाभ के लिए उन्होंने ताउम्र कार्य किया। किसानों के ण माफ करने, बुजुगार्ं के लिए पेंशन योजना आरंभ करने, घुमंतु जाति के बच्चों को स्कूली शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरणा के रूप में प्रतिदिन में उन्हें एक रुपया प्रदान करना, जच्चा बच्चा के लिए देवीरूपक योजना, खेतीहर मजदूरों को खेत मालिक बनाने सहित अनेक ऐसे लाभकारी कार्य किए जिसकी मिसाल आज भी पूरे देश में दी जाती है। दोनों इनेलो पदाधिकारियों ने कहा कि उन्होंने कहा कि यदि चौधरी देवीलाल को आधुनिक हरियाणा का जनक कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। युवा इनेलो जिलाध्यक्ष भगवान कोटली के नेतृत्व में जाट धर्मशाला में चौधरी देवीलाल की स्मृति में रक्तदान शिविर भी लगाया गया जिसमें नागरिक अस्पताल से डॉ. समता व उनकी टीम ने 60 यूनिट रक्त एकत्रित किया। कोटली ने कहा कि यह रक्त जरूरतमंदों की जान बचाएगा। कार्यक्रम में इनेलो जिलाध्यक्ष कश्मीर सिंह करीवाला, कार्यकारी जिलाध्यक्ष धर्मवीर नैन, शहरी जिलाध्यक्ष गंगाराम बजाज, कृष्णा फौगाट, जसवीर सिंह जस्सा, महावीर शर्मा, प्रदीप मेहता एडवोकेट, मग्घर सिंह, डॉ. ओमप्रकाश, राजप्रीत सहित अनेक पार्टी नेता मौजूद रहे।

सिरसा। चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत गांव रत्ताखेड़ा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रतिया। अतिरिक्त उपायुक्त एंव नोडल अधिकारी राहुल मोदी के दिशा निर्देशानुसार शनिवार को गांव रत्ताखेड़ा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया। खंड कार्यक्रम प्रबंधक नरेश कुमार ने महिलाओं को शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिलाओं को मतदान की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि मतदान एक पर्व के समान है, इसमें सभी को जरूर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी मतदाता को किसी तरह की मदद की जरूरत है

महिला महाविद्यालय की छात्रा को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

राजकीय महाविद्यालय रतिया की छात्रा एकता रानी को चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के युवा कल्याण निदेशालय द्वारा विश्वविद्यालय की वाद-विवाद टीम में शानदार प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया गया। छात्रा एकता ने एमएम कॉलेज फतेहाबाद में आयोजित त्रिवेणी युवा महोत्सव में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके बाद 37वें इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ-वेस्ट जोन यूथ फेस्टिवल, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा की टीम की प्रतिनिधित्व करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि सिरसा लोकसभा सांसद सुनीता दुग्गल द्वारा छात्रा एकता को सम्मानित किया गया। अब पंजाब एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय लुधियाना में आयोजित 37वें इंटर यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा महोत्सव में वाद विवाद प्रतियोगिता में भाग लेकर तृतीय स्थान प्राप्त करके विश्वविद्यालय व महाविद्यालय का मान बढ़ाया। सीडीएलयू के वीसी प्रो. अजमेर सिंह ने एकता को सम्मानित किया।

देश को मजबूत कर रही भाजपा : ग्रोहा

- स्थापना दिवस पर भाजपा नेताओं ने अपने प्रतिष्ठानों पर फहराया पार्टी का झण्डा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर आज भाजपा के जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा के नेतृत्व में जिलेभर में सभी कार्यकर्ताओं ने अपने निवास व प्रतिष्ठानों पर पार्टी का झण्डा फहराया तथा एक दूसरे को स्थापना दिवस की बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर 25-25 झण्डे लगाकर स्थापना दिवस मनाया। इसी कड़ी में जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा ने रतिया में अपने निवास स्थान पर परिवार सहित भाजपा का नया झण्डा फहराकर सभी जिलावासियों को भाजपा के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाजपा का इतिहास गौरवमयी है।

रतिया। अपने निवास पर पार्टी का ध्वज फहराते भाजपा जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा।

भाजपा ने हमेशा ही राष्ट्रवादी सोच के साथ काम किया है। निजस्वार्थ से परे रहकर भाजपा का एक एक कार्यकर्ता संगठन की मजबूती और राष्ट्र निर्माण के कार्य के प्रति समर्पित रहता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी विचारधारा के सिद्धांतों को आत्मसात कर, अंत्योदय और विकासोन्मुखी राजनीति के मार्ग पर सदैव अग्रसर रहने वाली भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर पार्टी से जुड़े रहे। जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा ने कहा कि कार्यकर्ता ही भाजपा की नींव और आधार है। कार्यकर्ताओं की निष्ठा, लगन व मेहनत के बदौलत आज भाजपा देश का सबसे बड़ा और मजबूत राजनैतिक संगठन बना है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में यही कार्यकर्ता अपनी कुशलता का परिचय देते हुए तीसरी बार केन्द्र में भाजपा की सरकार लाने का काम करेंगे।

भाजपा 400 तो क्या, 200 पार भी नहीं पहुंचेगी : नायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

कांग्रेस नेता मनोहर लाल नायक ने कहा कि लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा देने वाली भाजपा का घमंड अब टूटने लगा है। जिस प्रकार से गांवों में ग्रामीण व किसान उनके प्रत्याशियों का विरोध कर रहे हैं, उससे साबित हो गया है कि भाजपा 400 तो क्या, 200 पार भी नहीं पहुंच पाएगी। नायक ने कहा कि भाजपा ने जुमलेबाजी के जरिए अपनी सरकार तो बना ली, लेकिन इसके बाद देश को लूटने के लिए पूंजीपतियों के हाथों में दे दिया। आज हालात यह हैं बेरोजगारों के पास रोजगार नहीं है, सरकारी नौकरियों के लिए निकाले गए पदों के पेपर होने के बाद इनको लीक कर दिया गया। पूरी तरह से यह सरकार पेपर लीक सरकार बनकर रह गई। उन्होंने कहा कि अपने आप को किसान हितैषी कहने वाली इस सरकार ने जिस प्रकार से अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्वक तरीके से प्रदर्शन किया और सरकार ने उनको रोकने के लिए गोलियां, ड्रोन से आंसू गैस के गोले, पानी की बौछारें व लाठीचार्ज किया है, उससे साफ जाहिर है कि यह सरकार किसान व किसानी दोनों को समाप्त करना चाहती है। उन्होंने कहा कि आज महिला, बुजुर्ग, व्यापारी, किसान व हर वर्ग सरकार से दुखी है।

स्थापना दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने रानियां में निकाली बाइक रैली

- मार्केट कमेटी के पूर्व अध्यक्ष शीशपाल कंबोज ने हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रानियां

भारतीय जनता पार्टी का 42वां स्थापना दिवस शनिवार को जीवननगर रोड स्थित भाजपा कार्यालय में मनाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाइक सवार रैली निकाली। मार्केट कमेटी के पूर्व अध्यक्ष शीशपाल कंबोज ने हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया। रैली रानियां शहर के विभिन्न बाजारों से होती हुई वापस भाजपा कार्यालय में पहुंचकर संपन्न हुई।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत

भाजपा मंडल के सहसंयोजक बलवान जांगड़ा ने बताया कि 6 अप्रैल 1980 को भाजपा की स्थापना की गई थी और उसके पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी अटल बिहारी वाजपेयी को मिली थी। पार्टी के स्थापना दिवस पर भाजपा लीडरशिप द्वारा देश भर में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कमल उन लोगों को समर्पित है, जिन्होंने कई पीढियां विचारधारा की सफलता के लिए खपा दी। उन्होंने कहा कि भाजपा वो पार्टी है, जिसके लिए राष्ट्र सदा सवार्ेपरि रहा है। एक भारत-श्रेष्ठ भारत, जिसकी आस्था का मूलमंत्र रहा है। भाजपा जो काम कर रही है, उसे विपक्षी दल पचा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे स्थापना दिवस के मौके पर अपने-अपने घरों पर पार्टी के झंडे लगाएं। इस मौके पर शीशपाल कंबोज, रानियां मंडल अध्यक्ष निर्मल सिंह बसरा, करीवाला मंडल अध्यक्ष रणमल सिंह बालासर, कार्यालय प्रभारी भारत भूषण शर्मा, डॉ. अमरजीत सिंह चन्नी, रामस्वरूप नैन, कमल बंसल, जिला उपाध्यक्ष बलवान जांगड़ा, प्रदेश किसान मोर्चा उपाध्यक्ष ललित पोपली, डॉ. राधेश्याम खुराना, अमनदीप सिंह दंदीवाल, जगदीश दुसाद, पवन कालड़ा, कमल शर्मा, पूरण चंद सैन सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

खाटू गो सांवरियो भक्ता पर जादू कर ग्यो..... पर झूमे श्रद्धालु

श्री श्याम बगीची में श्याम अखाड़े का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में एकादशी के उपलक्ष्य में शुक्रवार रात को भव्य भजन संध्या, श्याम अखाड़े एवं भंडारे का आयोजन किया गया। श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवादार पवन गर्ग ने बताया कि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी पर बगीची परिसर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया।

सवा आठ बजे बाबा श्याम की पावन 'योत प्रज्वलित की गई और बाबा श्याम की आरती की गई। हमेशा की भांति राजेंद्र गनेरीवाला ने गणेश वंदना से भजन संध्या का आगाज किया गया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव मोहित शर्मा ने पूजा अर्चना करवाई। इस अवसर पर भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर, कांग्रेस नेता राजकुमार शर्मा, राजेश शर्मा, मनीष सिंगला, मोनू मक्कड़, राजेश मित्तल, अमित सोनी, भोला जैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई। राजेद्र गनेरीवाला ने गणेश वंदना के बाद बालाजी महाराज, श्याम बाबा के भजन प्रस्तुत किए। उसके बद पंजाब के मोगा से आए श्याम भक्त विजय महाराज ने श्याम बाबा का भजनों के माध्यम से गुणगान किया। विजय महाराज ने भजन- प्यारो सांवरियो मैण भा ग्यो, मन की बात सांवरिय ने आज सुना के देख ले, मन मोरियो बन के नाचै जद सांवरियो होवे मेरे आगे, खाटू वाले सांवरिया तेरे दर पर भिखारी आया है, सारी दुनिया गो काम बनाव जद लख दातार कहावै, खाटू गो सांवरियो भक्ता पर जादू कर ग्यो सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। जिन पर श्याम भक्त जमकर नाचे। रात सवा नौ बजे बाबा श्याम को भोग लगाकर श्याम रसोई का वितरण किया गया। रात को सवा एक बजे बाबा श्याम की आरती की और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

श्री श्याम बगीची में भजन संध्या में भजनों की प्रस्तुति देते विजय महाराज व भव्य रुप से सजा बाबा श्याम का दरबार।

हेल्दी रहने के लिए अच्छा पौष्टिक भोजन, व्यायाम और आसन करना तो जरूरी है ही, साथ ही मन से आनंदित रहना भी जरूरी है, तभी आप स्वस्थ, खुश और संतुष्ट रह सकते हैं। मन से आनंदित रहने के लिए आपको अपनी जीवनशैली में दस फंडों को अपनाना होगा। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं, इन्हीं दस फंडों के बारे में।

जिंदगी के मकान में जरूर हों ये 10 कमरे

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

हम में से अधिकतर लोग सोचते हैं कि भरपूर धन-दौलत से ही आसानी से जिंदगी में स्वस्थ रह सकते हैं, खुशी महसूस कर सकते हैं। लेकिन ऐसा पूरी तरह सच नहीं है। दर्जनों प्रेरक पुस्तकें लिखने वाले विद्वान लेखक डॉ. फ्रैंक क्रेन ने अच्छी सेहत और खुशहाल जिंदगी पाने के अचूक नुस्खे एक लेख में बताए हैं। यह लेख 'द अमेरिकन मैगजीन' में करीब सौ साल पहले (1920 के आस-पास) छपा था। इस लेख में उन्होंने स्वास्थ्य से संबंधित कई अनमोल सूत्र बताए हैं।

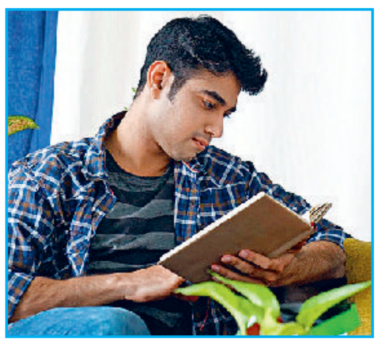

कला से लगाव : यह दुनिया खूबसूरत चीजों से भरी हुई है। लेकिन उस खूबसूरती का लुत्फ उठाना आप तभी सीख पाएंगे, जब आपको कला की समझ होगी। इसलिए कला से लगाव बढ़ाएं। जब आप कला की कद्र करने लगेंगे तो आपको इससे ऐसी खुशी मिलने लगेगी, जैसी भूख लगने पर स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होने पर मिलती है। चित्रकला हो, काष्ठकला या मूर्तिकला जिसमें आपका मन रमे, उसमें कुछ समय जरूर दें।

साहित्य से प्रेम : जिसे साहित्य पढ़ने में रुचि होती है, उसे इसमें ढेर सारी खुशी और ज्ञान प्राप्त होता है। इसमें रुचि लेने से वैचारिक स्तर पर आप समृद्ध होते जाएंगे। साहित्य से प्रेम करेंगे, तो आपको जीवन से प्रेम होने लगेगा और ताजगी महसूस करने लगेंगे।

संगीत का आनंद : डॉ. फ्रैंक के अनुसार जिसे संगीत से प्यार नहीं, वो दुनिया का सबसे गरीब आदमी कहा जा सकता है। जिंदगी में सुर और ताल बनाए रखने के लिए संगीत में रुचि बहुत कारगर साबित होती है। यकीन करें, अगर आप अपनी आत्मा को संगीत से सींचेंगे तो आपको आलौकिक आनंद महसूस होने लगेगा।

घुमक्कड़ी का शौक : शहरों में रहने वाले अधिकतर लोग दिन हो या रात चारदीवारी में ही घिरे रहते हैं। अधिकांश समय खुली, ताजा हवा में सांस नहीं ले पाते। स्वस्थ रहना है तो खुला आसमान, हरियाली भरे जंगल, जीवंतता के प्रतीक झरने आदि का आनंद उठाना सीखें। कभी खुले आसमान के नीचे लेट कर आकाश के तारे निहारें, हरी दूब पर लेटें, ताजा हवा के झोंकों में खुद को खुला छोड़ दें, पहाड़ों की गोद में यूं ही घूमने चले जाएं, फिर देखिए कैसी खुशी मिलती है!

संवेदनशील मन: संवेदनशील बनना भी स्वस्थ रहने के लिए बहुत कारगर है। हृदय के दरवाजे हमेशा खोल कर रखें। दूसरों के सुख-दुख को महसूस करें और उनमें शरीक हों। स्नेह, प्यार, मित्रता, रिश्ते आदि सुख और खुशी देते हैं। इससे मन में सकारात्मकता बढ़ती है, जो स्वस्थ रहने में बहुत मददगार होती है।

बच्चों से जुड़ाव : अपने जीवन को सेहतमंद और खुशहाल बनाने के लिए बच्चों से जुड़ना भी बहुत प्रभावी होता है। बच्चे जिंदगी के मकान का बेहद अहम हिस्सा होते हैं। इनसे जुड़ेंगे तो आप रोजमर्रा के अपने दुख-दर्द भूल जाएंगे।

खेलकूद में रुचि : क्या आप अखबार में आने वाले स्पोर्ट्स पेज को पढ़ते हैं? चेस, टेनिस, क्रिकेट कोई भी खेल खेलते हैं? अगर नहीं तो आपको पता होना चाहिए कि जो लोग खेलकूद पसंद नहीं करते, वे स्वास्थ्य और खुशी की दृष्टि से दुनिया के गरीब लोगों में शुमार होते हैं। अगर आप खेलते हैं या खेलकूद की गतिविधियों में दिलचस्पी लेते हैं, तो आप जीवन के कठिन दौर में भी खुश रहने की कला सीख लेंगे।

आनंद की अनुभूति : अपनी दिनचर्या की छोटी-छोटी चीजों में आनंद ढूंढ़ने की आदत आपको बहुत खुश और स्वस्थ बना सकती है। अपने बिस्तर की नरमी, भोजन का स्वाद और सुगंध, कपड़ों के रंग और डिजाइन, नंगे पांव मिट्टी पर चलने, ऑफिस की चाय, घर से दफ्तर तक का सफर, स्नान से मिलने वाली ऊर्जा और शांति आदि सब में आनंद के पल ढूंढ़े जा सकते हैं। शुरुआत में भले कुछ असहज लगे लेकिन कुछ समय बाद आप जीवन के हर पल में आनंद महसूस करने लगेंगे।

ईश्वर में आस्था : अध्यात्म और ईश्वरीय शक्ति में आस्था सचमुच सुकून और राहत देती है। ईश्वर में आस्था आपको सकारात्मकता और ऊर्जा से भर देती है। जो लोग प्रार्थना, अध्यात्म, सुपर नेचुरल पावर आदि की ताकत महसूस करते हुए भी खुद को बुद्धिजीवी करार देने के लिए इनसे दूर रहते हैं, वे सचमुच जीवन के आनंद से महरूम रहते हैं।

अपने काम से प्यार : हम सब को जीविका के लिए कोई न कोई काम करना पड़ता है। लेकिन हममें से ज्यादातर काम को बोझ समझते हैं। जरा सोचकर देखिए कि अगर आप काम में व्यस्त नहीं रहते, हर रोज संघर्ष न करते, मन में कोई लक्ष्य न होता, किसी से कोई आशा न होती तो आपकी जिंदगी कितनी रीती और सूनी होती? यकीन नहीं होता, तो दो-तीन दिन बिना कुछ किए घर में पड़े रहकर देखें, कितना उदास और बीमार महसूस करने लगेंगे, इसलिए प्रोफेशन का आनंद उठाएं। इसे एंज्वॉय करेंगे तो कभी भी वर्क प्रेशर महसूस नहीं होगा और आप स्ट्रेस, टेंशन, एंग्जाइटी से मुक्त रहते हुए स्वस्थ जीवन जिएंगे। *

विश्व स्वास्थ्य दिवस आज

मेडिकल केयर से अधिक लाभकारी है सेल्फ केयर

यह सही है कि बीमार होने पर हमें मेडिकल केयर की जरूरत पड़ती है। लेकिन सवाल है कि हम बीमार ही क्यों पड़ते हैं? अगर हम अपनी जीवनशैली के साथ आहार में समुचित बदलाव कर लें और सेल्फ केयर करें तो मेडिकल केयर की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज

भगवान गौतम बुद्ध की उक्ति है-स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा संबंध है। इसी से समझा जा सकता है कि अच्छे स्वास्थ्य का हम सभी के जीवन में कितना महत्व होता है? जिसका शरीर स्वस्थ है, वही स्वस्थ कार्य कर सकता है। इसीलिए तो हम हमेशा अपने प्रियजनों के लिए खुशी और स्वास्थ्य की कामना रखते हैं, क्योंकि कोई भी व्यक्ति बीमार होकर अपनी मेहनत की कमाई को डॉक्टर और दवाइयों पर जाया करना नहीं चाहता। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ कहलाता है, जब वह स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करे। दुर्भाग्य से आज के आधुनिक जगत की इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास पर्याप्त समय ही नहीं होता कि वे अपने स्वास्थ्य की जांच समय-समय पर कराते रहें। इसलिए कुछ लोग स्वस्थ दिनचर्या को अपनाकर रोगों से दूर रहने की कोशिश करते हैं, किंतु उनका यह प्रयास अनेक प्रकार के सामाजिक दबाव के कारण उतना सफल नहीं हो पाता है, अंततोगत्वा निराश होकर वे अस्वस्थ जीवनशैली को अपना लेते हैं। हम यह अकसर भूल जाते हैं कि मां प्रकृति ने हमें, हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक सब कुछ प्रदान किया है। जरूरत है एक स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली को अपनाने की।

दवाओं पर कम करें निर्भरता: आज, दवा की गोलियां, कैप्सूल अधिकतर लोगों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। इसकी वजह यह है कि समय की कमी और व्यस्त जीवनशैली के कारण हम हमेशा स्वयं की देखभाल यानी कि 'सेल्फ केयर' की तुलना में चिकित्सा यानी कि 'मेडिकल केयर' को अधिक पसंद करते हैं। हम जंक फूड, जरूरत से ज्यादा खाना, व्यायाम और उचित आराम न करना, भावनात्मक अस्थिरता, धूम्रपान और मद्यपान जैसी अनेक गलत आदतों के जाल में इस कदर फंसे हुए हैं कि हमें इस बात का एहसास तक नहीं होता कि इन सभी आदतों का हमारे स्वास्थ्य पर खतरनाक प्रभाव पड़ रहा है। तो फिर क्यों न एक स्वस्थ जीवनशैली को अपनाया जाए? पर क्या यह इतना सरल है? जी हां! बिल्कुल सरल हैं।

जीवनशैली में करें सुधार: यदि अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए हम कुछ छोटे-मोटे परिवर्तन अपनी दिनचर्या में लाएं तो हम एक समग्र संतुलित स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। मसलन, जल्दी सोना और जल्दी उठना, इस आदत को यदि हम गंभीरता से अपना लें, तो प्रातःकाल से लेकर रात्रि तक हमारा दिन बहुत अच्छा बीतेगा। इसी प्रकार से सुबह को या शाम को यदि हम कुछ हल्का-फुल्का व्यायाम, जैसे कि सैर, जॉगिंग आदि को सिर्फ आधा घंटा कर लें, तो हम एक नई स्वस्थ पहल कर सकते हैं।

पौष्टिक भोजन का सेवन: पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, आरोग्य का सबसे मुख्य भाग है, संतुलित आहार। जी हां! डाइटिंग के नाम पर अपने को भूखा रखना हानिकारक सिद्ध हो सकता है, इसके बजाय अपनी भोजन शैली में व्यावहरिक परिवर्तन कर सारे पौष्टिक तत्वों से भरपूर भोजन लेने के नियम का पालन करना और यदा-कदा रूप में कुछ भी खा लेने की आदत से बचना ज्यादा हितकारक है।

ध्यान का सकारात्मक प्रभाव: पिछले कुछ वर्षों में किए गए चिकित्सा अनुसंधानों के द्वारा यह तथ्य सामने आया है कि 'अध्यात्म', मानव चरित्र का एक ऐसा महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो उसके भावनात्मक पक्ष को प्रभावित करता है, अतः उसकी उपेक्षा करना नुकसानकारक सिद्ध हो सकता है। इसीलिए विश्व भर के चिकित्सक आज दवाई के साथ-साथ अपने मरीजों को ध्यान (मेडिटेशन) करने की राय देते हैं, क्योंकि उनका यह स्पष्ट मानना है कि ध्यान के द्वारा मनुष्य अपने दिन-प्रतिदिन की नकारात्मकता से दूर रह सकता है और वह उनके शारीरिक स्वास्थ्य के बेहतरी में भी सहायक होगा। याद रहे! अपनी केयर खुद करें ताकि मेडिकल केयर से बचे रहें। *

पर्व-संस्कृति / डॉ. घनश्याम बादल

आगामी मंगलवार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवरात्र और नवसंत्सर का शुभारंभ हो रहा है। इस तिथि का जितना प्राकृतिक, ज्योतिषीय और धार्मिक महत्व है, उतना ही सांस्कृतिक महत्व भी है। इससे जुड़ी पौराणिक-सांस्कृतिक महत्ता पर एक दृष्टि।

नवसंवत्सर 2081 नवारंभ का सांस्कृतिक उत्सव

हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल चैत्र प्रतिपदा से नया विक्रम संवत शुरू हो जाता है। एक बार फिर कालचक्र के परिवर्तन के साथ नववर्ष दस्तक दे रहा है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानी 9 अप्रैल मंगलवार से नव विक्रम संवत्सर 2081 आरंभ हो रहा है। साथ ही इस दिन से ही चैत्र नवरात्र भी आरंभ हो रहे हैं।

ज्योतिषीय-पौराणिक मान्यताएं: ज्योतिषीय पंचांग के अनुसार नव संवत्सर 2081 का नाम क्रोधी और पंचांग भेद से इसका नाम कालयुक्त है। इसका राजा मंगल और मंत्री शनि होंगे। ज्योतिष के अनुसार इस वर्ष ग्रहों के दशाधिकार में सात विभाग क्रूर ग्रहों को और तीन शुभ ग्रहों को मिले हैं। मंगल के राजा और शनि के मंत्री होने से इस वर्ष के उथल-पुथल भरा रहने की आशंका है। मान्यता है कि नए संवत्सर में ब्रह्मांड में नई व्यवस्था का गठन भी होता है। मान्यता यह भी है कि ब्रह्मा जी ने सृष्टि का आरंभ इसी तिथि से किया था। यह भी माना जाता है कि सबसे पहले सतयुग का प्रारंभ इसी तिथि यानी चैत्र प्रतिपदा से हुआ था। यह तिथि सृष्टि के कालचक्र प्रारंभ और पहला दिन भी माना जाता है। इसी दिन भगवान विष्णु ने दशावतार में से पहला मत्स्य अवतार लेकर प्रलयकाल में अथाह जलराशि में से मनु की नौका को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था। प्रलयकाल समाप्त होने पर मनु से ही नई सृष्टि की शुरुआत हुई। हिंदू विक्रम संवत, अंग्रेजी कैलेंडर के वर्ष से 57 वर्ष आगे होता है। चैत्र नवरात्र की प्रतिपदा तिथि से अगले 9 दिनों तक देवी दुर्गा की उपासना का महापर्व नवरात्र भी आरंभ होता है।

सांस्कृतिक धरोहर : राष्ट्रीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रतीक की शुरुआत इस चैत्र नवरात्र से ही होती है। महाराष्ट्र में इस दिन को गुड़ी पड़वा और दक्षिण भारत में इसे उगादि के रूप में मनाया जाता है।

शुक्ल पक्ष से आरंभ होता नववर्ष: यह नववर्ष किसी जाति, वर्ग, देश, संप्रदाय का नहीं अपितु संपूर्ण मानवता का नववर्ष है। यह पर्व विशुद्ध रूप से भौगोलिक पर्व है, क्योंकि प्राकृतिक दृष्टि से भी इस दौरान वनस्पतियों, फूलों और पत्तियों में भी नयापन दिखाई देता है। हिंदू कैलेंडर में कुल 12 माह होते हैं- चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन। हिंदू कैलेंडर के सभी महीने नक्षत्र के नाम पर रखे गए हैं। पूर्णिमा तिथि पर जो नक्षत्र रहता है, उसी नक्षत्र के नाम पर हिंदी महीनों के नाम रखे गए हैं। जैस चैत्र का महीना चित्रा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है, इसी प्रकार वैशाख, विशाखा के नाम पर, ज्येष्ठ, ज्येष्ठा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है। एक प्रश्न यह उठता है कि चैत्र महीना हिंदू नववर्ष का पहला महीना होता है, जो होली के बाद शुरू हो जाता है। यानी फाल्गुन पूर्णिमा तिथि के बाद चैत्र कृष्ण प्रतिपदा लग जाती है फिर भी उसके 15 दिन बाद नया हिंदू नववर्ष क्यों मनाया जाता है? इसका उत्तर यह है कि हिंदू पंचांग के अनुसार कृष्ण पक्ष, पूर्णिमा से अमावस्या तिथि के 15 दिनों तक रहता है और कृष्ण पक्ष के इन 15 दिनों में चंद्रमा धीरे-धीरे लगातार घटने के कारण पूरे आकाश में अंधेरा छाने लगता है। सनातन धर्म का आधार हमेशा अंधेरे से उजाले की तरफ बढ़ने का रहा है यानी 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'। इसी वजह से चैत्र माह के लगने के 15 दिन बाद जब शुक्ल पक्ष लगता है तभी प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष मनाया जाता है। अमावस्या के अगले दिन शुक्ल पक्ष लगने से चंद्रमा हर एक दिन बढ़ता जाता है, जिससे कालक्रम अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ता है।

क्या है प्रतिपदा: हिंदू पंचांग की प्रथम तिथि प्रतिपदा कही जाती है। यह तिथि मास में दो बार आती है पूर्णिमा के पश्चात और अमावस्या के पश्चात। पूर्णिमा के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा और अमावस्या के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा कहा जाता है। शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से चंद्रमा पूर्णता की ओर बढ़ता है, अतः इसे प्रतिपदा कहते हैं। शुक्ल पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 0 से 12 डिग्री तक होता है, जबकि कृष्ण पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 181 से 192 डिग्री तक होता है, तब प्रतिपदा तिथि होती है। कृष्ण प्रतिपदा को चंद्रमा की प्रथम कला होती है। शुक्ल पक्ष प्रतिपदा में चंद्रमा अस्त रहता है। कृष्ण पक्ष प्रतिपदा में स्थिति एकदम विपरीत होती है। कृष्ण प्रतिपदा में चंद्र अपने ह्रास की ओर बढ़ता है। अतः कह सकते हैं कि हिंदू संस्कृति में नया वर्ष आनंददायक भाव के साथ शुरू किया जाता है। *

शुभकामना गीत / शिवचरण चौहान

नव संवत्सर मंगलमय हो!

भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हमारी।
नए वर्ष की शुभ तिथि प्यारी।।
भारत की सर्वत्र विजय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
ऋतु बसंत पावन, मनभावन।
चैत्र मास नव मास सुहावन।।
महाराज विक्रम की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
पूरित शस्य धरा अति पावन।
नव पल्लव फल-फूल सुहावन।।
ग्रह नक्षत्र शुभ मंगलमय हो।
भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।

कहानी
रेखा शाह आरबी

लाल गमछा

रामदीन रोज रेल की पटरियों के किनारे वाले जंगल में अपनी बकरियां चराने ले जाता था। यहां बड़ी-बड़ी और मुलायम घास बकरियों को आसानी से उपलब्ध हो जाती थी। रामदीन पढ़ा-लिखा नहीं था। बचपन में मात्र चार-पांच दिन ही स्कूल गया था। उसका स्कूल में मन नहीं लगा तो स्कूल जाना छोड़ दिया। उसने घर में अपनी बकरियों को चराने की जिम्मेदारी ले ली।

उस दिन बकरियां जंगल में घास चर रही थीं। रामदीन कोई गीत गुनगुनाते हुए पटरियों के किनारे टहल रहा था। अचानक उसकी नजर रेल की टूटी पटरी पर पड़ी। वह चौंका, 'हे भगवान! यहां तो रेल की पटरी टूटी हुई है। रेल आएगी तो दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगी।'

रामदीन ने सोचा गांव जाकर लोगों को खबर करे, लेकिन गांव दूर था। दोपहर बाद शाम शुरू होते ही आने वाली ट्रेन का टाइम हो रहा था। वह सोच में पड़ गया, यदि ट्रेन आ गई तो भयंकर दुर्घटना हो जाएगी। ना जाने कितनी जानें चली जाएंगी, कितने लोग हताहत हो जाएंगे। दोपहर खत्म हो रही थी। ठीक इसी समय ट्रेन आती थी, रामदीन को पता था। क्योंकि रोज वह बकरियों को चराकर इसी समय अपने गांव की ओर वापस लौटता था। वह जाती हुई उस ट्रेन के यात्रियों को हाथ हिलाकर अभिवादन करता था। यात्री भी उसे इस तरह हाथ हिलाते देखकर मुस्कुराते हुए अपने हाथ हिलाकर उसके अभिवादन का जवाब देते थे।

रामदीन का दिमाग सुन्न हो रहा था। उसे समझ में नहीं आ रहा था, करे तो क्या करे? कैसे ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाए? उसे अचानक याद आया, जब वह बचपन में चार-पांच दिन के लिए स्कूल गया था तो मास्टर जी ने बच्चों को बताया था कि यदि आपातकाल में कभी ट्रेन रुकवानी पड़े तो तुम किसी भी लाल रंग के कपड़े को ट्रेन के ड्राइवर को दिखाओ, ड्राइवर ट्रेन रोक देगा, क्योंकि लाल रंग खतरे का प्रतीक होता है। ड्राइवर समझ जाएगा कि आगे कहीं कुछ खतरा है, इसलिए ट्रेन रुकने का इशारा किया जा रहा है।

रामदीन ने अपने कपड़े देखे। उसने देखा, गले में लाल रंग का गमछा पड़ा हुआ है। उसने अपने डंडे में गमछे के दोनों सिरों को बांधा और पटरी के पास खड़ा हो गया। कुछ ही देर में उसे दूर से ट्रेन के आने की आवाज सुनाई दी। वह डंडे में बंधे लाल गमछे को हिलाते हुए ट्रेन की दिशा में दौड़ पड़ा।

ड्राइवर ने दूर से ही देख लिया था, एक व्यक्ति लाल रंग का कपड़ा लहराते हुए ट्रेन की तरफ आ रहा है। वह समझ गया कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है, उसने ट्रेन रोक दी।

ट्रेन रुकने के बाद ड्राइवर, गार्ड, टीटी और कुछ यात्री उतर कर रामदीन के पास आए। उसने सबको ट्रेन की टूटी पटरी दिखाई। टूटी पटरी देखकर लोग दंग रह गए। ड्राइवर बोला, 'आपने एक बहुत बड़ी दुर्घटना होने से बचाई है, लोगों की जान बचाई है।'

तुरंत स्टेशन से इंजीनियरों की टीम बुलाकर पटरियों की मरम्मत करवाई गई। ट्रेन जब अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई तो टीटी, ड्राइवर, गार्ड और यात्रियों ने हाथ हिलाकर रामदीन के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

शाम होते ही रामदीन अपनी बकरियों को लेकर घर आ गया। रात को जब रामदीन अपनी खाट पर सोने के लिए लेटा तो सोच रहा था- 'मैं जब चार-पांच दिन स्कूल गया तो मुझे इतना ज्ञान मिल गया कि एक ट्रेन के कितने सारे लोगों की जान बचा ली। अगर लंबे समय तक शिक्षा ग्रहण की होती तो मैं ना जाने कितने और बड़े-बड़े काम करने के लिए समक्ष हो जाता।'

उसी रात रामदीन ने मन ही मन संकल्प लिया कि वह तो अनपढ़ रह गया, लेकिन अपने बच्चों को अनपढ़ नहीं रहने देगा। जल्द ही अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला कराएगा। *

खरी-खरी / अशोक अंजुम

चुनावी मौसम में

बेईमानी, झूठ के सब कारखाने चल पड़े।
लो सभी नेता स्वयं को आजमाने चल पड़े।
जो सदा करते रहे बातें उजालों की यहां,
वे तिमिर के वंशजों के गीत गाने चल पड़े।
आ गया मतदान का मौसम, 'रे पंछी जाग जा'
फिर शिकारी वायदों के लेके दाने चल पड़े।

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-
- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

इस सृष्टि की संपूर्ण शक्ति की स्रोत आदिशक्ति मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना का पर्व नवरात्र, आगामी मंगलवार से आरंभ हो रहे हैं। इस दौरान प्रकृति भी अपना पुराना आवरण त्याग कर नया स्वरूप धारण करती है। ऐसे संक्रांति काल में पवित्र मन से उपासना करने पर मां शक्तिस्वरूपा की कृपा अवश्य प्राप्त होती है।

चैत्र नवरात्र शक्ति की कामना का उत्सव

आस्था / सरस्वती रमेश

धार्मिक ही नहीं ज्योतिष की दृष्टि से भी चैत्र नवरात्र का विशेष महत्व है, क्योंकि इस दौरान सूर्य का राशि परिवर्तन होता है। यह अपनी आत्मशक्ति को जागृत करने और सात्विक गुणों को विकसित करने के लिए सबसे उपयुक्त समय माना जाता है। नवरात्र में हम देवी के नौ रूपों की अर्चना करते हैं। असल में ये नौ रूप हमारी विभिन्न मनोदशाओं के परिष्कार, उनकी शुद्धि से जुड़े हुए हैं। तरह-तरह की तामसिक प्रवृत्तियां हम सब के इर्द-गिर्द विचरण करती रहती हैं। नवरात्र के दौरान किया जाने वाला तप, उपवास हमें इन नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त कर शुद्ध और सृजनशील बनाता है। इसलिए चैत्र नवरात्र को आध्यात्मिक साधना से शक्ति अर्जित करने का सबसे उपयुक्त समय माना जाता है।

संपूर्ण सृष्टि की स्रोत आदिशक्ति

यह संपूर्ण सृष्टि, शक्तिस्वरूपा में निहित सृजनात्मकता का प्रतिफल है। इस सृजनात्मकता का आरंभ आदिशक्ति से माना जाता है। हमारी पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस सृष्टि के सृजन के लिए आदिशक्ति के अंश स्वरूप ब्रह्मा, विष्णु और शिव की उत्पत्ति हुई थी, जिन्होंने इस ब्रह्मांड की परिकल्पना की। नवरात्र पर्व स्त्री शक्ति की इसी सृजनात्मकता और उसके अनगिन रूपों की आराधना का पर्व है। आदिशक्ति संसार की सभी शक्तियों का केंद्र बिंदु हैं। इसलिए नवरात्र में देवी की उपासना से हमें मानसिक, आध्यात्मिक हर तरह की शक्ति प्राप्त हो सकती है। हमारी वैदिक संस्कृति के अनुसार प्रत्येक नारी अपने आप में देदीप्यमान ज्योतिर्मयी सत्ता है। यानी आदिशक्ति का ही प्रतीक रूप। अपने भीतर की शक्ति को जागृत करने के लिए आदिशक्ति से शक्ति की कामना का ही पर्व है नवरात्र।

उपवास से उपासना

नवरात्र के नौ दिन साधना और संयम के साथ आत्मजागरण करने का अवसर होता है। बिना संयम और चित्त पर नियंत्रण किए साधना नहीं की जा सकती। चित्त के हठीले संस्कार, लोभ, ईर्ष्या, जड़ता, भय जैसी नकारात्मक शक्तियां हमारे आगे बढ़ने की राह में सबसे बड़ी बाधा होती हैं। इनसे पार पाने के लिए नियमित साधना आवश्यक है। नवरात्र के दौरान किए जाने वाले उपवास से इस साधना पथ पर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है। साधना हमारे भावनात्मक संतुलन को साधती है। आंतरिक शक्ति का विस्तार कर संकल्पों को साकार करने में मदद करती है। मानसिक विकारों को दूर करती है और आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने के लिए सात्विक शक्तियों का बीजारोपण करती है।

साधना का उद्देश्य

नवरात्र में उपवास और साधना का उद्देश्य स्व को परिमार्जित करना होता है। जिस तरह हमारा बाहरी व्यक्तित्व हमारे कपड़ों, गहनों और आचार-विचार से निर्धारित होता है, ठीक उसी तरह हमारा आंतरिक व्यक्तित्व आत्मसंयम, आत्मबल, इच्छाशक्ति, विवेक और ज्ञान से परिभाषित होता है। साधना के द्वारा ज्ञान और विवेक अर्जित किया जा सकता है। इसके अलावा साधना आत्म से साक्षात्कार का सबसे बड़ा माध्यम होती है। आत्म से साक्षात्कार समस्त शक्तियों और ज्ञान के मूल से परिचित होना है। बिना आत्म से मिले हुए कोई भी साधना अपूर्ण ही मानी जाएगी क्योंकि आत्म से मिलन अपनी चेतना में आदिशक्ति के अंश को पहचानना है। उसे अपने भौतिक जीवन में उतारना है। उसकी प्रेरणा से अपने जीवन की दिशाएं तय करना है।

उपासना से होता है कल्याण

चैत्र मास में प्रकृति अपने सुंदरतम रूप में व्याप्त होती है। प्रकृति का यह उल्लास पूरे वातावरण पर प्रभाव डालता है। मान्यता है कि इस दौरान आध्यात्मिक साधना करने वालों पर सृष्टि में पर्याप्त सकारात्मक ऊर्जा दैवीय अनुकंपा के रूप में बरसती है। इस तरह प्रकृति से प्राप्त ऊर्जा का संयोजन आध्यात्मिक ऊर्जा से होता है। साधक के मन-मस्तिष्क और आचार-विचार का कायाकल्प हो जाता है। यानी हर तरह से हमारा कल्याण होता है। आत्मचेता मनुष्य सिर्फ अपने जीवन में बदलाव नहीं लाते बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाकर जीवन में सार्थकता लाते हैं। *

स्त्रियों में विद्यमान देवी अंश

शक्ति स्वरूपा देवी का अंश स्त्रियों में भी विद्यमान होता है। इसीलिए उनकी ऊर्जा निरंतर और अक्षुण्ण होती है। बात संस्कार की हो या समर्पण की, कर्तव्य की हो या अपनत्व की इस सांसारिक यात्रा में स्त्रियां निरंतर सक्रिय रहती हैं, अपना दायित्व निभाती रहती हैं। उनमें मौजूद विभिन्न गुणों के आधार पर ही उन्हें लक्ष्मी, सरस्वती, काली और दुर्गा का अंश कहा जाता है। हम नवरात्र में दुर्गा जी की आराधना अवश्य करें लेकिन साथ ही शक्ति का अंश धारण करने वाली स्त्रियों को भी घर, बाहर और समाज में हर जगह आदर-सम्मान देना कभी ना भूलें।

इंद्रधनुषी पर्व-संस्कृति का गुलदस्ता है बैसाखी

आगामी 13 अप्रैल को बैसाखी का पर्व मनाया जाएगा। यह पर्व जहां एक तरफ किसानों के उल्लास का प्रतीक है तो साथ ही यह कई धर्मों के अनुयायियों के लिए भी महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। इसे देश में कई रूपों में मनाया जाता है।

पर्वोल्लास / दिव्यज्योति 'नंदन'

बैसाखी एक ऐसा पर्व है, जिसके नाम लेते ही मन में रंग-बिरंगे परिधानों में सजे सिख समुदाय के हमारे भाइयों की भांगड़ा करती छवि तैर जाती है। लेकिन बैसाखी सिर्फ पंजाब, हरियाणा भर का त्योहार नहीं है।

फसल तैयार होने का उल्लास: बैसाखी का यह पर्व होली के बाद रबी के फसल के पककर तैयार हो जाने और किसान भाइयों द्वारा इसकी भीनी-भीनी खुशबू से रोमांचित होकर दर्शाई गई खुशी और उमंग का नाम है। चूंकि रबी की फसल सिर्फ पंजाब, हरियाणा या उत्तर भारत में ही नहीं पैदा होती बल्कि पूरे भारत में थोड़े-थोड़े अंतराल के बीच दस्तक देती है। इसलिए देश के कई प्रांतों में बैसाखी के आस-पास कई ऐसे पर्व मनाए जाते हैं, जिनका संबंध प्राचीन भारतीय संस्कृति में बहुत गहरे तक जुड़ा हुआ है।

कई धर्मों से जुड़ा पर्व: बैसाखी वास्तव में वैशाख मास की संक्रांति है यानी, सौर मास का प्रथम दिन। बैसाखी हिंदू कैलेंडर के वैशाख महीने का अपभ्रंश है। बैसाखी के दिन सूर्य मेष राशि में संक्रमण करता है, इस कारण इसे वैदिक संस्कृति और ज्योतिष विधान में मेष संक्रांति या विषुवत संक्रांति भी कहते हैं।

बैसाखी विशुद्ध रूप से भारतीय उपमहाद्वीप का सांस्कृतिक पर्व है। इसलिए इसका जितना रिश्ता सिख धर्म से है, उतना ही हिंदू धर्म से भी है और उतना ही हिंदुस्तान में जन्मे बौद्ध और जैन धर्मों से भी है। यही वजह है कि बैसाखी का पर्व किसी न किसी रूप में पूरे देश में मनाया जाता है। बस फर्क इतना होता है कि अलग-अलग जगहों में इसका नाम अलग-अलग हो जाता है। इसे कहीं बसोआ, कहीं बिसुआ, कहीं जुड़ शीतल, कहीं पोहेला बौसाख, कहीं बिहू, कहीं विशु, कहीं पुथंडु कहते हैं। बैसाखी वास्तव में पकी फसल की सोंधी खुश्बू के उल्लास का पर्व है।

कई रूपों में मनाते हैं पर्व: बैसाखी का नाम लेते ही कानों में 'जट्टा आई रे बैसाखी...' की धुन गूंजने लगती है। देश के दूसरे हिस्सों में भी इस दिन सुर और ताल का खूब समां बंधता है। बैसाखी के दिन ही सिखों के दूसरे गुरु श्री अंगद देव जी का जन्म हुआ था और इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना आरंभ की थी। मान्यता है कि भगवान श्री राम का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था।

इसी दिन केरल और तमिलनाडु में बिशु पर्व और असम में बिहू तथा पश्चिम बंगाल में पोएला बैशाख पर्व मनाया जाता है। इस दिन पूरे भारत में लोग पवित्र नदियों, सरोवरों में स्नान करते हैं। दान-पुण्य करते हैं और इन सभी स्नानस्थलों पर लगने वाले मेलों में शामिल होते हैं। पंजाब में तो इस दिन पूरे प्रांत में 100 से ज्यादा जगहों पर छोटे-बड़े मेले लगते हैं। इस दिन लोग सुबह-सुबह नहाकर मंदिरों और गुरुद्वारों में जाते हैं। गली-गली में लंगर लगाए जाते हैं। इस अवसर पर हर तरफ खुशी और उल्लास का वातावरण दिखाई देता है। चित्रकूट और प्रयाग में भी इस दिन पवित्र स्नान और मेलों का आयोजन होता है। उत्तर प्रदेश में खासकर बुंदेलखंड के इलाके में इस दिन लोग नहा-धोकर और पूजा करके सत्तू खाते हैं। देशभर में इस समय गेहूं की फसल कट रही होती है या कटनी शुरू होती है। इसलिए किसान इस त्योहार को फसलों के इर्द-गिर्द नाचते-गाते हुए मनाते हैं।

बिहू पर्व पर नाचती-गातीं स्थानीय महिलाएं

सिख समुदाय का पवित्र पर्व: गुरु गोविंद सिंह ने वैशाख माह की षष्ठी को ही खालसा पंथ की स्थापना की थी। सिख समुदाय के लोग इसलिए भी बैसाखी को बड़े उल्लास से मनाते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी ने 1699 ई. को बैसाखी पर श्री आनंदपुर साहिब में विशेष समागम किया था। इसमें देशभर की संगत ने आकर इस ऐतिहासिक अवसर पर अपना सहयोग दिया था। गुरु गोविंद सिंह जी ने इसी मौके पर संगत को ललकार कर कहा था, 'देश को गुलामी से आजाद करने के लिए मुझे एक शीश चाहिए।' गुरु साहिब की ललकार को सुनकर पांच वीरों दया सिंह खत्री, धर्म सिंह जट, मोहकम सिंह छीवां, साहिब सिंह और हिम्मत सिंह ने अपने-अपने शीश गुरु गोबिंद सिंह जी को भेंट किए थे। इन्हीं पांच वीरों के जरिए खालसा पंथ की स्थापना हुई थी, जिसने किस तरह संकट से घिरे हिंदू धर्म को बचाया, यह इतिहास के पन्नों में दर्ज है। *

दो महाद्वीपों में फैला देश अजरबैजान

रोचक / मच्छिंद्र ऐनापुरे

इस पृथ्वी पर महाद्वीप, हम इंसानों द्वारा अपनी राजनीतिक सुविधा के लिए भौगोलिक सीमाओं का उपयोग करके बनाए गए विभाजन हैं। लेकिन अकसर प्रकृति का विभाजन बहुत सख्त नहीं होता और इसीलिए पृथ्वी पर दो महाद्वीपों में फैले देश मौजूद हैं। ऐसा ही एक देश है-अजरबैजान। यह देश पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया की सीमा पर स्थित है, इसलिए यह दोनों महाद्वीपों के बीच विभाजित है। एक तरफ कैस्पियन सागर और दूसरी तरफ काकेशस पर्वत के बीच बसा यह छोटा सा देश हमारे अपने देश के पश्चिम बंगाल राज्य से भी छोटा है।

इस देश की राजधानी बाकू, समुद्र तल से नीचे विश्व की सबसे निचली राजधानी है। बाकू शहर समुद्र तल से 92 मीटर नीचे है। बाकू शहर को वहां बहने वाली तेज हवाओं के कारण 'हवाओं का शहर' भी कहा जाता है। इस शहर में स्थित 'फ्लेम टावर्स' अपने अनूठे डिजाइन के कारण पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। ओल्ड सिटी सेंटर में एक पहाड़ी पर स्थित, ये टावर कैस्पियन सागर का सुंदर दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

देश का इतिहास: ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में एट्रोपेटस इस भूमि का शासक हुआ करता था। एट्रोपेटस शब्द का अर्थ है 'पवित्र अग्नि की भूमि।' इस देश में स्थित यानरदाग एक ऐसा स्थान है, जहां प्राकृतिक गैस से प्रज्वलित आग देखी जा सकती है और लगातार जलती रहती है, इसलिए यह नाम अग्नि की भूमि से आया होगा। माना जाता है कि इसी एट्रोपेटस से इस देश का नाम अजरबैजान पड़ा।

अनोखे हैं तीन टावर्स: यहां स्थित तीन फ्लेम टावरों में सबसे ऊंचा दक्षिण में 39 मंजिला टावर है। इस आवासीय टावर में 130 लक्जरी अपार्टमेंट हैं। उत्तरी कोने में 36 मंजिला टावर में 318 कमरों वाला फेयरमोंट होटल है। पश्चिमी तरफ, कॉर्पोरेट ऑफिसेस वाला टावर है। इन टावरों का निर्माण 2007 में शुरू हुआ और 2012 में इनका निर्माण पूरा हुआ था। इन टावरों का आकार आग की लपटों जैसा है, लेकिन उनकी सतह एलईडी स्क्रीन से बनी है और ये स्क्रीन आग की लपटों का दृश्य प्रदर्शित करती हैं, जिन्हें शहर में कहीं से भी देखा जा सकता है। *

जब लगाएं परफ्यूम इन बातों का रखें ध्यान

लाइफस्टाइल / किरण भास्कर

मॉडर्न लाइफस्टाइल में आपकी ड्रेस और दूसरी एक्सेसरीज की तरह आपका परफ्यूम भी आपकी पर्सनालिटी को दर्शाता है। कई लोग अपने को रिफ्रेश करने के लिए बार-बार परफ्यूम का छिड़काव करते हैं, जबकि कई लोग ऐसे परफ्यूम लगाते हैं, जिसकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। दरअसल, खुशबू में इस्तेमाल किए जाने वाले तेल का महत्व ज्यादा होता है। यही वजह है कि वे परफ्यूम ज्यादा महंगे होते हैं, जिनमें यूज किया गया तेल महंगा होता है।

परफ्यूम का असर: विभिन्न इलेक्ट्रो फिजियो-लॉजिकल अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि वास्तव में हमारे परफ्यूम की खुशबू या सुगंध हमारे मूड को तय करती है। यही नहीं फ्रेगरेंस का रिश्ता हमारे तनाव और भावनाओं से भी सीधे तौर पर होता है। कई अध्ययनों से यह बात स्पष्ट हो गई है कि अलग-अलग तरह की सुगंध अलग-अलग तरह का प्रभाव डालती है। इसलिए हर किसी को यह जानना चाहिए कि उसके मूड का रिमोट आखिर कौन-सा परफ्यूम है और पूरी सजगता के साथ ऐसे परफ्यूम का इस्तेमाल करना चाहिए। अध्ययनों से यह भी साफ हुआ है कि फ्रेगरेंस का रिश्ता हमारी बेहतर नींद से भी है। इसलिए अपने लिए ऐसे परफ्यूम को चुनें, जो आपको बेहतर नींद मुहैया कराए। लब्बोलुआब यह कि अपने परफ्यूम को अपने मूड का रिमोट बनाइए।

जब लगाएं परफ्यूम: अपने लिए परफ्यूम सेलेक्ट और यूज करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें।

- महिलाओं के लिए इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर नियमित परफ्यूम देर तक खुशबू देते हैं। इनमें आमतौर पर 30 प्रतिशत से ज्यादा एसेंशियल ऑयल होता है और ये सुबह से लेकर शाम तक करीब 7-8 घंटे अपनी भीनी-भीनी खुशबू बिखेरते हैं और आप महकते रहते हैं।
- 15 से 22 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल वाले परफ्यूम 3 से 5 घंटे तक खुशबू देते हैं। ऐसे परफ्यूम कलाई और गर्दन पर लगाने चाहिए।
- 8 से 15 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल वाले परफ्यूम स्प्रे में आते हैं और इन्हें भी अकसर आम लोग इस्तेमाल करते हैं।
- 4 प्रतिशत एसेंशियल ऑयल वाले परफ्यूम को शरीर के हर हिस्से पर लगाया जा सकता है। यह स्पेशल बोतल में आता है और दो घंटे तक इसकी महक बनी रहती है।
- अगर लंबे समय तक परफ्यूम की खुशबू चाहते हैं तो इसे लगाने के लिए उसकी लेयरिंग टोन को कंसीडर करें और उसी महक को अलग-अलग प्रोडक्ट के रूप में इस्तेमाल करें। शावर या बाथ जैल के अलावा इसे बॉडी में लोशन या स्प्रे के साथ नहाने के बाद बाथ स्प्रे के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जब सेंट को परफ्यूम के रूप में इस्तेमाल करें तो इसे नीचे से ऊपर की ओर लगाएं। इससे पूरे शरीर में महक बनी रहती है।
- परफ्यूम को बॉडी प्वाइंट जैसे कोहनियों, बैक, घुटनों, कलाई, गर्दन और वक्ष स्थल में लगाएं, जहां इसकी महक लंबे समय तक रहती है। *

छोटे पर्दे से बड़े पर्दे पर आईं प्राची देसाई का सिक्का ओटीटी पर काफी जम चुका है। इन दिनों वह ओटीटी फिल्म 'साइलेंस : द नाइट आउल बार शूटआउट' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें प्राची का क्या किरदार है? क्या प्राची ने फिल्मों से दूरी बना ली है? करियर से जुड़े अहम सवालों पर प्राची देसाई से खुली बातचीत।

ओटीटी पर मुझे फिल्मों के मुकाबले ज्यादा चैलेंजिंग किरदार मिल रहे हैं : प्राची देसाई

खास मुलाकात / पूजा सामंत

ओटीटी की लोकप्रियता को देखते हुए बॉलीवुड और टीवी से जुड़े कई नामी सितारों ने इसकी ओर रुख किया है। इनमें एक और एक्ट्रेस का नाम जुड़ गया है-प्राची देसाई। उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू किया था फिल्म 'साइलेंस' से। प्राची ने तेलुगू भाषा के सुपरस्टार नागा चैतन्य के साथ भी एक वेब शो 'धूता' किया है। इन दिनों वह मनोज बाजपेयी के साथ 'साइलेंस:द नाइट आउल बार शूटआउट' को लेकर चर्चा में हैं। यह वेब सीरीज 16 अप्रैल को जी-5 पर रिलीज होगी। पेश है प्राची देसाई से हुई बातचीत के प्रमुख अंश -

'साइलेंस' के एक सीन में मनोज बाजपेयी के साथ प्राची देसाई

फिल्म के बड़े पर्दे और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम करके क्या फर्क पाती हैं?

मेरी नजर में ओटीटी के लिए शूटिंग करना ज्यादा आसान है। सात-आठ एपिसोड्स की कहानी वाले वेब शो की शूटिंग ज्यादा से ज्यादा एक से डेढ़ महीने में खत्म हो जाती है। फिल्मों में बड़ा ताम-झाम होता है। बल्क में डेट्स ली जाती है। कभी फिल्म की शूटिंग नहीं हो पाई तो पूरा शेड्यूल गड़बड़ा जाता है। मेहनत तो फिल्म और ओटीटी दोनों जगहों पर है ही। वैसे ओटीटी पर मुझे फिल्मों के मुकाबले ज्यादा चैलेंजिंग किरदार मिल रहे हैं।

आपने कुछ वर्ष पहले 'साइलेंस' सीजन-1 भी की थी। इसी फिल्म का दूसरा सीजन करने की क्या खास वजह रहीं, यानी आपने इसे क्यों एक्सेप्ट किया?

2020 के कोरोना लॉक डाउन के दौर में मैंने फिल्म 'साइलेंस' सीजन-1 की थी। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर जॉनर की बहुत दिलचस्प फिल्म है। इस जॉनर की फिल्में आजकल खूब पसंद की जा रही हैं। 'साइलेंस' सीजन 1 की शूटिंग के समय बहुत सारे प्रोटोकॉल निभाने थे। शूटिंग करने की भी इजाजत आसानी से नहीं मिलती थी। इस मुश्किल समय में शूटिंग करना बिल्कुल आसान नहीं था। लेकिन सभी कलाकारों ने मिलजुल कर काम किया। उस अनुभव को, उन दिनों को मैं कभी नहीं भूला सकती। हम बस इंतजार ही कर रहे थे कि कब 'साइलेंस' का दूसरा सीजन बने। जब दूसरे सीजन का ऑफर मिला, इसे एक्सेप्ट करना तो बनता ही था।

क्या इसकी कहानी-किरदार का आकर्षण नहीं था आपके लिए?

ऑफकोर्स था। कलाकार के लिए कहानी और किरदार का आकर्षण ना हो तो वह कलाकार कैसा? फिल्म में अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ काम करना एक बहुत बड़ा आकर्षण किसी भी एक्टर के लिए हो सकता है।

फिल्म में अपने किरदार के बारे में बताएं?

इस फिल्म में मेरा किरदार इन्वेस्टिगेटिव पुलिस ऑफिसर संजना भाटिया का है। मेरा किरदार अंडर कवर्ड है। मस्ती-मजाक में भी पुलिस ऑफिसर संजना भाटिया अपने कर्तव्य को उचित अंजाम देती है।

अपने किरदार के लिए आपने क्या कोई खास तैयारी की थी? इसके लिए निर्देशक की कोई विशेष हिदायत थी?

अमूमन पुलिस अफसर जब किसी हीरो को दिखाया जाता है तब उसमें अकसर कई एक्शन सीन होते हैं, लेकिन निर्देशक अबन भरुचा देवहंस, जो एक सक्षम महिला निर्देशक हैं, उन्होंने मेरे किरदार को थोड़ा लाइट हार्टेड बनाया। सभी पुरुष पुलिस वालों में मैं एक महिला पुलिस ऑफिसर हूं, जो कहानी में हल्के-फुल्के संवाद बोलती है, सभी को हंसाती रहती है। संजना के कारण तनाव भरे माहौल में हल्का-फुल्का माहौल बनता है। हालांकि इसमें छोटे-मोटे एक्शन सीन हैं, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। यह मर्डर मिस्ट्री है। कहानी में सभी कड़ियों को जोड़े रखने में संजना कारगर मालूम होती है। इसलिए एक्शन, स्टंट्स करने वाली यह पुलिस अफसर नहीं है। यह संजना दर्शकों को याद रहेगी।

आप अचानक फिल्मों से गायब हो गईं। अब चार वर्षों बाद ओटीटी पर नजर आ रही हैं? आप फिल्मों से दूर क्यों हुईं?

मैं फिल्मों में नजर नहीं आई, जिसके कई कारण थे। कोरोना काल के लॉक डाउन में मेरी क्या शायद ही किसी अन्य एक्टर की फिल्म रिलीज हुई हो। मैंने जो फिल्में साइन की थीं, उनमें कोई फिल्म शुरू नहीं हो पाई। मैं अपने पैशन के लिए फिल्में करती हूं, यह जरूरी नहीं मेरी हर वर्ष दो-चार फिल्में रिलीज हों। एक वर्ष में बस एक फिल्म रिलीज हो, जिसे करने में मुझे खुशी हो, इतना काफी है मेरे लिए। मैं बहुत चूजी हूं, जो पसंद आए सिर्फ उसे ही एक्सेप्ट करती हूं। ओटीटी पर जो भी प्रोजेक्ट किए, मेरे परफॉर्मेंस की प्रशंसा हुई। ऐसा नहीं है कि मैं बड़े पर्दे से दूर हो गई हूं।

'साइलेंस' सीजन-2 के अलावा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इधर और क्या किया है?

अमेजॉन प्राइम पर 'धूता' रिलीज हुए अभी तीन महीने हुए हैं। इस वेब शो का रिजल्ट काफी उत्साहवर्धक रहा। आठ कड़ियों वाले इस शो का जो फीडबैक मिला, देखकर खुशी हुई। लगा मेरा यह निर्णय सही था कि मैं ओटीटी के नए प्लेटफॉर्म पर खुद को आजमा लूं। विक्रम कुमार इसके निर्देशक हैं, मेरे को-स्टार नागा चैतन्य हैं। मुझे निर्देशक विक्रम कुमार और नागा चैतन्य ने काफी कन्विंस किया कि मैं यह शो कर खुद को आजमाऊं। अगर मेरे लिए यह रिस्क है तो रिस्क लेना सही है। बिना रिस्क, बिना चैलेंज एक एक्टर के रूप में मैं कैसे ग्रो करूंगी? उनके इस तरह समझाने के बाद मैं वेब शो 'धूता' के लिए मान गई। इस वेब शो का यह पहला सीजन है। दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है। *